www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
12 नवम्बर 2026
वर्षः 49
अंकः 181 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

25 बड़े प्रोजेक्ट में देरी, 2 लाख करोड़ खर्च बढ़ा

इतने में 4200 स्कूल बनते 1400 से ज्यादा अस्पताल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की बड़ी परियोजनाओं में देरी अब सरकारी खजाने पर भारी पड़ रही है। केंद्र सरकार के पैमाना पोर्टल की अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, 1,853 चालू परियोजनाओं की लागत 3.22 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित 25 मेगा परियोजनाओं का बजट ही 2.11 लाख करोड़ रुपए बढ़ चुका है। यह कुल लागत-वृद्धि का करीब 65 फीसदी हिस्सा है। यह राशि इतनी बड़ी है कि इससे 50 करोड़ की लागत वाले 4,200 से अधिक स्कूल या 150 करोड़ रुपए वाले 1,400 से ज्यादा अस्पताल बनाए जा सकते थे। इससे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जैसे दो प्रोजेक्ट भी तैयार हो सकते थे।



कर्नाटक की हुबली-अंकोला रेल लाइन 30 साल पीछे- समय-सीमा के मामले में भी स्थिति चिंताजनक है। कर्नाटक की हुबली-अंकोला रेल लाइन इसमें सबसे ऊपर है। इसे मार्च 2005 तक पूरा करना था, लेकिन अब इसका लक्ष्य मार्च 2030 कर दिया गया है यानी परियोजना 25 साल पीछे चली गई है। इसके बाद सुबनसिरी और तपोवन-विष्णुगढ़ जैसी जलविद्युत परियोजनाएं हैं, जिनकी समय-सीमा में 16 साल से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसका मतलब यह है कि जिन सुविधाओं का लाभ जनता को एक-दो दशक पहले ही मिल जाना चाहिए था, उनके लिए अभी भी इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि, 1,360 परियोजनाएं ऐसी भी हैं, जो समय पर या केवल दो साल तक के विस्तार के साथ चल रही हैं।

सरकार बदलने से प्राथमिकता बदलती है,फंड में देरी होती है- पीडब्ल्यूडी के पूर्व प्रमुख हरिओम शर्मा के मुताबिक, कई बार लंबे प्रोजेक्ट के दौरान सरकार बदलने से जब नई सरकार की प्राथमिकता बदल जाती है तो फंड जारी होने में दिक्कतें भी आती हैं, उससे प्रोजेक्ट और डिले होते हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकी हमला

तीन जवान गंभीर रूप से घायल, इलाके की सुरक्षा की गई सख्त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर फायरिंग कर दी। घटना करीब 2.15 बजे की है। इसमें तीन जवान घायल हो गए। उन्हें अनंतनाग के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फायरिंग के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में जुटे हैं। हालांकि किसी आतंकी संगठन ने तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन माना जा रहा है कि यह हमला लश्कर ए तैयबा का हिट स्क्वाड कहे जाने वाले द रजिस्टेंस फ्रंट टीआरएफ के आतंकी लतीफ बट के माडयूल ने किया है। जानकारी के अनुसार, कुलगाम के आखरन नौपुरा में बुधवार की दोपहर को आतंकियों ने सीआरपीएफ 46वीं वाहिनी के जवानों ने एक नाका लगाया हुआ था। नाका पार्टी वहां से गुजरने



वाले वाहनों व लोगों की जांच पढ़ताल कर रही थी। लगभग सवा दो बजे के करीब मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक नाके पास पहुंचे और उन्होंने नाका पार्टी पर ताबड़तोड़ फायरिंग की।

एक जवान की टांग दूसरे के बाजू और तीसरे की पीठ में लगी गोली

हमले की सूचना मिलते ही निकटवर्ती शिविरों से सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियां भी मौके पर पहुंच गई। उन्होंने उसी समय पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए घायल जवानों को उपचार के लिए निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी पहचान हैड कांस्टेबल सोमवीर, कांस्टेबल शांतनु और कास्टेबल राकेश दास के रूप में हुई है। डाक्टरों के अनुसार, एक जवान की टांग में, एक के बाजू में और एक की पीठ में गोली लगी है। इस बीच, सुरक्षाबलों ने घटनास्थल के आस पास के सभी इलाकों में तलाशी अभियान चलाया है। घटनास्थल के आस पास उपलब्ध सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच की जा रही है। सीआरपीएफ, पुलिस और सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं।

शीतकाल के लिए बंद हुए केदारनाथ मंदिर के कपाट



केदारनाथ/रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट भैयादूज के अवसर पर बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस दौरान पांच हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। इसके बाद बाबा की चल विग्रह पंचमुखी डोली सेना के बैंड की धुनों के साथ ओंकारेश्वर मंदिर के लिए रवाना हुई। इसके तहत डोली अपने पहले पड़ाव रामपुर पहुंचेगी। 12 नवंबर को पंचमुखी डोली विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी व 13 नवंबर को पंचमुखी डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंचेगी। बुधवार को भैयादूज पर केदारनाथ मंदिर तड़के साढ़े तीन बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुला। पांच बजे से कपाट बंद की प्रक्रिया शुरू हुई। पुजारी टी गंगाधर लिंग व धर्माधिकारी, वेदपाठियों की उपस्थिति में भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग को समाधि रूप दिया गया। ब्रह्मकमल तथा भस्म से शिवलिंग को ढका गया। इसके बाद गर्भ गृह बंद कर दिया गया और केदारनाथ की पंचमुखी डोली सभा मंडप से बाहर मंदिर परिसर में आई। इसके बाद सुबह साढ़े आठ बजे मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए और पंचमुखी डोली ओंकारेश्वर मंदिर के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी सहित पांच हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। इस यात्रा काल में साढ़े 19 लाख भक्तों ने केदारनाथ मंदिर के दर्शन किए। बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि कपाट बंद होने के पश्चात शीतकालीन यात्रा को प्रोत्साहित किया जाएगा। वहीं पहले पड़ाव के तहत केदारनाथ की पंचमुखी डोली रामपुर पहुंची। इस अवसर पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा, सदस्य महेंद्र शर्मा, देवी प्रसाद देवली, नीलम पुरी, प्रह्लाद पुष्पवाण, डा. विनीत पोस्ती, केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रंगड़, मुख्य प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी, डीएस भुजवाण् बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ सहित सहित अन्य भक्त मौजूद रहे।

राजस्थान के वीर शासकों की गौरवगाथाओं पर बनेगी फिल्म 'शासक'

पिक्चर का फर्स्ट लुक जारी, नरेंद्र सिंह मीणा करेंगे निर्देशन

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की धरती ने इतिहास में ऐसे कई वीर शासकों को जन्म दिया, जिनकी वीरता, शौर्य, पराक्रम और युद्ध कौशल की गाथाएं आज भी देशभर में गर्व के साथ सुनाई जाती हैं। अब राजस्थान के इसी गौरवशाली इतिहास को बड़े पर्दे पर जीवंत करने की तैयारी की जा रही है। निर्देशक नरेंद्र सिंह मीणा पहली बार ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फीचर फिल्म 'शासक' लेकर आ रहे हैं।



फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। इसमें अभिनेता मुकेश चावंडिया मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म को भव्य ऐतिहासिक ऐक्शन फिल्म के रूप में तैयार किया जा रहा है।

दीपावली पर आतिशबाजी के विरोधियों को सीएम योगी ने दिया जवाब

अरे प्रदूषण हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा,काहे चिंता कर रहे

लखनऊ (एजेंसी)। अगर पब्लिक एक दिन आतिशबाजी कर ले तो प्रदूषण हो गया, अरे हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा...। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये बातें बुधवार को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं।

सीएम योगी ने इस दौरान राजस्व विभाग के लिए चुने गए 1146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 215 करोड़ रुपये



की सहायता राशि का भी वितरण किया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने दीपावली पर पटाखे जलाने के मुद्दे पर भी अपने अंदाज में जवाब दिया। सीएम योगी ने कहा, साल 2017 से पहले कोई भी त्योहार आता था, चाहे होली हो, दीपावली हो, विजयादशमी हो, जन्माष्टमी हो, शिवरात्रि हो, क्रिसमस हो, ईद हो, गुरु पर्व हो या मकर संक्रांति, हर त्योहार से पहले दंगे शुरू हो जाते थे। पीएसी बल दंगाइयों का काल था, लेकिन समाजवादी पार्टी की सरकार ने यूपी पीएसी की 34 कंपनियां भी समाप्त कर दी। महीनों-महीनों तक कर्फ्यू लगे रहते थे, लेकिन अब आपने देखा होगा कि धनतेरस के दिन पूरी मार्केट में चहल-पहल थी। अयोध्या का दीपोतस्व बढ़िया रहा।

नो कर्फ्यू-नो दंगा यूपी में अब सब चंगा

सीएम योगी ने कार्यक्रम में कहा, पहले की सरकारों में कर्फ्यू की वजह से व्यापार प्रभावित होता था, त्योहार प्रभावित होते थे। लेकिन, पिछले साढ़े 9 साल में नो कर्फ्यू-नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा। चंगा है तो अब नौकरियां भी उसी रफ्तार से निकल रही हैं। अकेले राजस्व विभाग में अभी तक 10836 नियुक्तियां हुई हैं। 1146 नियुक्तियां आज हो रही हैं। आने वाली 26 जनवरी तक हर पांचवें दिन नियुक्ति पत्र बांटने का कार्यक्रम इसी तरह चलता रहेगा।

मैं भी अयोध्या में आतिशबाजी में था

अपने भाषण में सीएम योगी ने आगे कहा, आप सभी ने दीपावली मनाई और कुछ लोग कह रहे हैं कि पटाखे जलाने से प्रदूषण हो गया। अरे प्रदूषण हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा। काहे चिंता कर रहे हो, जिन लोगों ने अपने भ्रष्ट कारनामों से पूरे सिस्टम को प्रदूषित किया, उन्हें कोई नहीं बोलता। अगर लोगों ने एक दिन पटाखे जला लिए तो प्रदूषण हो गया, अरे हुआ है तो खत्म भी हो जाएगा। अच्छा हुआ, लोगों ने खूब आतिशबाजी की और दीपावली धूमधाम से मनाई। हमने भी कोई प्रतिबंध नहीं लगाया, खूब आतिशबाजी करो। मैं भी अयोध्या में आतिशबाजी में था। जब कुछ गलत होता है तो कुछ नहीं, लेकिन अगर कोई त्योहार मनाता है तो प्रदूषण याद आता है।

फेस्टिव सीजन खत्म, अब यूपीआई पेमेंट पर जल्द लग सकता है चार्ज

2,000 से ज्यादा के पेमेंट पर 0.4 फीसदी एमडीआर देना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाईदूज के त्योहार के साथ ही फेस्टिव सीजन खत्म हो गया है। अब सबकी नजरें यूपीआई के नए नियमों पर हैं। कल से दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई के



जरिए लेने पर 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी चार्ज देना पड़ सकता है। पहले एनपीसीआई इन नए चार्जेस को 15 अक्टूबर से लागू करने वाला था, लेकिन त्योहारों के कारण इसे टाल दिया गया था। एनपीसीआई ने कहा था कि इसे दिवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, हालांकि तारीख नहीं बताई गई है।

केंद्र सरकार के यूपीआई प्रपोजल की 3 बड़ी बातें

अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4 फीसदी का एमडीआर चार्ज देना होगा। अगर ग्राहक 75,000 या उससे ज्यादा का बड़ा पेमेंट करता है, तो प्रतिशत के बजाय अधिकतम 300 का फ्लैट चार्ज लागू होगा। अगर ग्राहक रेलवे, टेलीकॉम, इंश्योरेंस या फ्यूल पर 2,000 से ज्यादा का पेमेंट करता है, तो प्रति ट्रांजेक्शन 5 का फ्लैट चार्ज लगेगा। दिवाली के दौरान देश भर के बाजारों में कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, गहने और सामानों की भारी बिक्री होती है। ऐसे में डिजिटल पेमेंट बढ़ जाता है। कारोबारी संगठनों और पेमेंट कंपनियों का मानना था कि त्योहारों के बीच नया नियम लागू करने से दुकानों पर पेमेंट में रुकावट आ सकती है।

अब एनएसजी कमांडो की बदलेगी यूनिफॉर्म

44 डिग्री तापमान में जवान के बेहोश होने के बाद फैसला देश के 5 राज्यों में चुनाव से पहले मिल सकती है नई वर्दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी, जिसमें नायलॉन और कॉटन होता है। यह कपड़ा हवा और नमी को आसानी से बाहर निकलने देता है। अप्रैल में विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में बेहोश हो गया था। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। एनएसजी को उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे।



काशी विश्वनाथ कॉरिडोर संजय गांधी का ड्रीम प्रोजेक्ट थाःसोनिया

कांग्रेस नेता ने अपनी किताब में किया जिक्र, तोड़फोड़ के विरोध पर इंदिरा ने रुकवाया

वाराणसी (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से जुड़े पुराने प्रस्ताव का जिक्र किया है। उन्होंने इसे इंदिरा गांधी के कार्यकाल से जोड़ते हुए आपातकाल के दौरान इसकी योजना बनाए जाने की बात लिखी है। किताब में लिखा- आपातकाल के दौरान संजय गांधी ने काशी विश्वनाथ क्षेत्र के चौड़ीकरण और वहां सुधार का प्रस्ताव रखा था। विश्व के सबसे प्राचीन शहर में मकानों की भारी तोड़फोड़ और जनता के विरोध की आशंका को देखते हुए इंदिरा गांधी ने इसमें हस्तक्षेप किया था और उस काम को रुकवा दिया था।

बनारस रोड शो में बेहोश हुई थीं,कंधे में हुआ था फ्रैक्चर- सोनिया गांधी ने अपनी किताब में अगस्त 2016 के वाराणसी दौरे के दौरान हुई



घटना का भी जिक्र किया है। उस समय सपा और कांग्रेस का गठबंधन हुआ था। राहुल गांधी और अखिलेश यादव के रोड शो से पहले सोनिया गांधी ने वाराणसी में चुनावी रैली की थी। किताब में लिखा है कि करीब पांच घंटे लंबे रोड शो के दौरान अत्यधिक थकान के कारण सोनिया गांधी बेहोश होकर गिर गई थीं। उन्हें इलाज के लिए दिल्ली लाया गया था। उनका कंधा बुरी तरह टूट गया था, जिसके चलते उन्हें गंभीर ऑपरेशन से गुजरना पड़ा था। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें एक होटल में रखा गया।

रिटायर्ड अफसरों पर भी लागू होगी आचार संहिता

5 राज्यों में चुनाव से पहले चुनाव आयोग का फैसला कैंपेनिंग से दूर रहना होगा, कहीं पर मीटिंग भी नहीं करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने आचार संहिता को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत आचार संहिता सिर्फ मौजूदा सरकारी कर्मचारियों पर ही नहीं, बल्कि रिटायर होकर फिर से सरकार के लिए काम कर रहे अफसरों और लोगों पर भी लागू होगी। आयोग ने यह फैसला कुछ लोगों पर सरकारी पद के गलत इस्तेमाल की शिकायतों के बाद लिया। अब उन्हें राजनीतिक निष्पक्षता बनाए रखनी होगी और चुनाव प्रचार या कैंपेनिंग से दूर रहना होगा। चुनाव आयोग ने इस फैसले को लेकर गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 9 नवंबर को लेटर भेजा है। आयोग ने चुनाव वाले क्षेत्रों में अधिकारियों के साथ बैठकें और वीडियो



कॉन्फ्रेंस करने पर भी रोक लगाई है। **शिकायतों के बाद आयोग का फैसला-** एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले भी ऐसी शिकायतें मिली थीं। इनमें कहा गया था कि राज्य सरकारों से अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रिटायर्ड अधिकारी चुनाव के दौरान सरकारी अधिकारियों की बैठकें बुलाते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि राज्य सरकारों से जुड़े, नियुक्त या दोबारा नियुक्त किए गए लोगों पर भी सरकारी कर्मचारियों जैसी पाबंदियां लागू होंगी। ये पाबंदियां आचार संहिता लागू रहने तक प्रभावी रहेंगी। आयोग ने निर्देश दिया कि ऐसे लोग किसी विधानसभा क्षेत्र या जिले के चुनाव से जुड़े अधिकारी को आधिकारिक चर्चा या बैठक के लिए नहीं बुला सकते। यह रोक उन क्षेत्रों में लागू होगी, जहां चुनाव घोषित हो चुके हैं। वे इन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस या बैठक भी नहीं कर सकते। आयोग ने कहा कि निर्देशों के उल्लंघन में किया गया कोई भी काम या लापरवाही गंभीरता से ली जाएगी।

राजनीतिक गतिविधियों से दूरी जरूरी

दोबारा नियुक्त किए गए लोग अपने नाम, सरकारी पद या अधिकार का इस्तेमाल किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति के पक्ष में नहीं कर सकते। आयोग ने यह भी दोहराया कि आचार संहिता उन संस्थाओं, समितियों, निगमों और आयोगों पर लागू होती है, जिन्हें सरकार पूरी तरह या आंशिक रूप से फंड देती है। मतलब सरकारी पैसों से चलने वाली कोई भी संस्था चुनाव के दौरान किसी पार्टी का प्रचार नहीं कर सकती। यूपी, पंजाब जैसे राज्यों में जहां रिटायर्ड अफसरों को सलाहकार /पीए बनाकर रखा गया है, उन पर अब सीधे चुनाव आयोग की नजर रहेगी। चुनाव के दौरान कोई रिटायर्ड अफसर चुनाव अधिकारी को अपने ऑफिस बुलाकर मीटिंग नहीं कर पाएगा। अगर कोई ऐसा करता पकड़ा गया,कार्रवाई होगी।

असम में ट्रेन पटरी से उतरी, 50 पैसेंजर घायल

लोको पायलट बोले-सिग्नल रेड है, ब्रेक नहीं लग रहे

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कामरूप में बुधवार सुबह करीब 6.54 बजे कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस का इंजन और 5 डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे में 50 पैसेंजर घायल हुए हैं। हालांकि रेलवे का कहना है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुताबिक, डिगारू स्टेशन पर ट्रेन को दूसरी लाइन पर लेने के दौरान लोको पायलट स्पीड कम नहीं कर सका, इससे ट्रेन डेड एंड पर लगे बैरिकेड्स से टकरा गई। 45 सेकेंड के वीडियो में इंजन के लोको पायलट केबिन का अंदरूनी हिस्सा दिखाई दे रहा है। इसमें कंट्रोल पैनल, डिजिटल डिस्प्ले, स्विच और इंजन के उपकरण लगे हुए हैं।

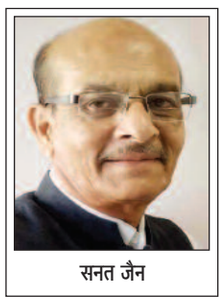


संपादकीय

जेनी प्रकरण: न्याय की पुकार या चुनावी राजनीति

उत्तराखंड की सियासत में एक पुराने विवाद की वापसी ने कई सवाल खड़े किए हैं। क्या 23 साल बाद सामने आई एक महिला की आवाज न्याय की तलाश है या आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने की कोशिश? उत्तराखंड की राजनीति में इन दिनों जेनी प्रकरण ने एक बार फिर बहस को जन्म दे दिया है। करीब 23 साल पुराने मामले का नए सिरे से सुर्खियों में आना केवल एक राजनीतिक घटनाक्रम नहीं, बल्कि कई गंभीर सामाजिक, नैतिक और कानूनी सवालों को भी सामने लाता है। एक ओर जेनी द्वारा पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर लगाए गए गंभीर आरोप हैं, तो दूसरी ओर हरक सिंह रावत इन आरोपों को राजनीतिक साजिश करार दे रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस पूरे प्रकरण में सच क्या है और इसे लेकर प्रदेश की राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ रही है? किसी भी लोकतांत्रिक समाज में किसी महिला द्वारा लगाए गए यौन शोषण के आरोपों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। खासकर तब, जब शिकायतकर्ता यह दावा करे कि उसे वर्षों तक न्याय नहीं मिल पाया। लेकिन न्याय की प्रक्रिया में आरोपों की निष्पक्ष जांच और साक्ष्यों का परीक्षण भी उतना ही आवश्यक है। किसी को केवल आरोपों के आधार पर दोषी मान लेना और किसी महिला की शिकायत को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना, दोनों ही न्याय के मूल सिद्धांतों के विपरीत हैं। जेनी प्रकरण का इतिहास भी कम राजनीतिक उथल–पुथल वाला नहीं रहा है। लगभग दो दशक पहले यह मामला प्रदेश की राजनीति में बड़ा विवाद बना था। उस समय भी आरोपों और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं के बीच सत्ता के गलियारों में हलचल मची थी। जांच और डीएनए परीक्षण को लेकर सामने आए निष्कर्षों के बाद मामला शांत पड़ गया था। अब इतने वर्षों बाद जेनी का फिर सामने आना और पुराने मामले की नए सिरे से जांच की मांग करना स्वाभाविक रूप से कई सवाल पैदा करता है। उत्तराखंड में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपनी रणनीतियां तैयार करने में जुटे हैं। कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर पहले से ही तेज है। हरक सिंह रावत कांग्रेस के प्रमुख राजनीतिक चेहरों में शामिल हैं और उनके खिलाफ उठा कोई भी विवाद पार्टी के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है। वहीं भाजपा को इस प्रकरण के माध्यम से कांग्रेस पर हमला करने का अवसर दिखाई दे सकता है। ऐसे में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कहीं यह मामला चुनावी राजनीति का हिस्सा तो नहीं बन रहा। किसी महिला को न्याय मांगने के लिए किसी अनुकूल राजनीतिक समय का इंतजार करना चाहिए, यह अपेक्षा भी उचित नहीं है। दूसरी ओर, राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि महिला उत्पीड़न जैसे संवेदनशील विषयों को चुनावी लाभ के लिए इस्तेमाल करना समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को कमजोर करता है। अंकिता भंडारी प्रकरण ने प्रदेश की राजनीति और सामाजिक चेतना को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। ऐसे माहौल में जेनी प्रकरण का सामने आना राजनीतिक दलों के लिए एक नई बहस का विषय बन गया है। लेकिन दोनों मामलों की परिस्थितियां और कानूनी तथ्य अलग–अलग हैं। उन्हें एक–दूसरे से जोड़कर राजनीतिक निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। वास्तविक चुनौती यह है कि प्रदेश की पुलिस और जांच एजेंसियां बिना किसी राजनीतिक दबाव के मामले के प्रत्येक पहलू की पड़ताल करें। पुराने दस्तावेजों, पूर्व जांच, उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों और नए दावों का परीक्षण किया जाए। यदि किसी पक्ष के पास नए प्रमाण हैं तो उन्हें जांच का हिस्सा बनाया जाए। साथ ही किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा और कानूनी अधिकारों का भी संरक्षण हो. उत्तराखंड की जनता को राजनीतिक बयानबाजी से अधिक सच जानने का अधिकार है। उसे यह जानना है कि जेनी की शिकायत में कितनी सच्चाई है, पुराने मामले में क्या कमियां थीं और अब सामने आए आरोपों का कानूनी आधार क्या है। जेनी प्रकरण का सबसे बड़ा सवाल हरक सिंह रावत की राजनीतिक स्थिति या कांग्रेस–भाजपा के बीच आरोप–प्रत्यारोप नहीं है। असली सवाल न्याय और निष्पक्षता का है। यदि जेनी के साथ अन्याय हुआ है तो उन्हें न्याय मिलना चाहिए और यदि लगाए गए आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं तो किसी व्यक्ति को राजनीतिक या सामाजिक रूप से दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगनी चाहिए। लोकतंत्र में राजनीति के लिए मुद्दे अनेक हो सकते हैं, लेकिन किसी महिला की पीड़ा को राजनीतिक हथियार बनाना और न्याय की मांग को सियासी शोर में दबा देना दोनों ही दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

संविधान से ऊपर कोई नहीं, नियम और कानून चुनाव आयोग पर भी लागू



सनत जैन

लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील होती है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराना उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। चुनाव आयोग को यह अधिकार इसलिए दिया गया है, वह सरकार, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के दबाव से मुक्त रहकर चुनाव प्रक्रिया संचालित करे। जब कोई संवैधानिक संस्था अपनी शक्तियों की सीमाओं को भूलकर स्वयं ही नियम बनाने, बदलने और लागू करने लगे, तब उसके अधिकारों और जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अगले वर्ष पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले केंद्रीय चुनाव आयोग ने गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के आचार संहिता नियमों में परिवर्तन किया है। नियमों में जो परिवर्तन किया गया है, उसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गये हैं। सेवानिवृत्ति के बाद दोबारा नियुक्त सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के राजनीतिक दलों अथवा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने तथा चुनाव अधिकारियों के साथ बैठकों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लेने पर रोक लगाई गई है। इस आदेश ने एक नई संवैधानिक बहस तेजी से शुरू कर दी है। सरकार के विभिन्न विभागों, आयोगों और संस्थानों में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को दोबारा नियुक्त किया जाता है। इस सरकार में सेवानिवृत्ति के बाद सबसे ज्यादा कर्मचारियों की फौज है। सेवानिवृत्ति के बाद उनकी राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों पर कौन-सी कानूनी पाबंदियां लागू होंगी, यह संबंधित सेवा नियमों और कानूनों से निर्धारित होता है। चुनाव आयोग चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए निर्देश अवश्य दे सकता है, क्या उसे मौजूदा कानूनों और सेवा नियमों से आगे जाकर नई पाबंदियां लगाने का अधिकार है? इसको लेकर नया बवाल शुरू हो गया है।

संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत चुनाव आयोग को चुनावों के संचालन और नियंत्रण की जिम्मेदारी दी गई है। इसका अर्थ यह नहीं है, आयोग संसद द्वारा बनाए गए कानूनों और संविधान की सीमाओं से स्वतंत्र होकर मनमाने तरीके से काम का अधिकार रखता है। चुनाव आयोग की शक्तियां भी संवैधानिक और कानूनी मर्यादाओं के अधीन हैं। यदि किसी नए प्रतिबंध के लिए कानून या नियम में संशोधन आवश्यक है, तो निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन चुनाव आयोग द्वारा किया जाना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव प्रक्रिया, निर्वाचन अधिकारियों के अधिकारों, चुनावी आंकड़ों और आयोग के पोर्टल तथा सॉफ्टवेयर के संचालन को लेकर भी अनेक सवाल उठे हैं। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग व्यवस्थाओं और नियमों को लेकर पारदर्शिता की मांग सभी राजनीतिक दलों द्वारा की जा रही है। ऐसे समय में आयोग की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। वह प्रत्येक निर्णय का कानूनी आधार सार्वजनिक करे, उठाए गए सवालों का तथ्यों के साथ जवाब दे। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता लोकतंत्र की ताकत है। स्वतंत्रता का अर्थ जवाबदेही से मुक्ति नहीं है। यदि किसी संवैधानिक संस्था के निर्णयों की समीक्षा और उनके औचित्य पर सवाल उठने लगे तो लोकतंत्र की व्यवस्था कमजोर होना तय है। लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कम या खत्म होने लगता है।

आज सबसे बड़ा सवाल यही है, चुनाव आयोग को नियमों का पालन कराने वाली संस्था बने रहना है, या स्वयं नियमों से ऊपर समझने वाली संस्था बनना है। गणेश भगवान की तरह प्रथम पूजनीय होने का अर्थ यह नहीं है, कोई संस्था संविधान से ऊपर जाकर अपनी पूजा कराने लगे। लोकतंत्र में संसद, न्यायपालिका, कार्यपालिका और चुनाव आयोग सभी की अपनी-अपनी संवैधानिक सीमाएं हैं। इन सीमाओं का सम्मान, एवं जवाबदेही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है। चुनाव आयोग को अपने प्रत्येक आदेश का कानूनी आधार लागू करने के पहले स्पष्ट करना चाहिए। राजनीतिक दलों, सरकार और आम जनता को हर फैसले में विश्वास में लिए जाने की जरूरत है। निष्पक्ष चुनाव केवल मतदान कराने से सुनिश्चित नहीं होते, बल्कि निष्पक्षता, पारदर्शिता, समान नियम और जवाबदेही से सुनिश्चित होते हैं। चुनाव में सभी पक्षों का विश्वास चुनाव आयोग के ऊपर हो। संविधान सर्वोच्च है और उसकी मर्यादा का पालन करना चुनाव आयोग सहित प्रत्येक संवैधानिक संस्था की अनिवार्य जिम्मेदारी है। आश्चर्य होता है कि इतने बड़े विवाद के बाद भी चुनाव आयोग अभी भी अपनी मन मर्जी से नियम, कानून और संविधान की अनदेखी करके मनमाने निर्णय ले रहा है। चुनाव आयोग के कारण अब न्यायपालिका से भी लोगों का विश्वास घटने लगा है। चुनाव आयोग ने अभी शपथ पत्र के जरिए जो जवाब दिया है वह अपने आप में विरोधाभासी है, जिसके कारण न्यायपालिका की छवि भी प्रभावित हो रही है।

जलवायु संकट का असली चेहरा : किसकी जिंदगी, किसकी आजीविका?



कुमार कृष्णन

जलवायु परिवर्तन की सबसे भयावह तस्वीर केवल पिघलते हिमखंडों, सूखती नदियों या जंगलों में लगी आग में नहीं दिखती। वह उस मजदूर के शरीर पर भी दर्ज होती है, जो दोपहर की झुलसाती धूप में काम करने को मजबूर है; उस किसान की चिंता में भी, जिसकी फसल मौसम की अनिश्चितता से जूझ रही है; और उस बुजुर्ग की सांसों में भी, जिसके लिए बढ़ती गर्मी अब महज असुविधा नहीं, जानलेवा खतरा बनती जा रही है। धरती का बढ़ता तापमान अब केवल पर्यावरण का सवाल नहीं है। यह स्वास्थ्य, रोजगार, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक न्याय का संकट है। असली सवाल है कि गर्म होती धरती पर सबसे पहले किसका जीवन और किसकी आजीविका संकट में पड़ रही है?

तुर्किये के अंताल्या में 9 से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-31 इसी सवाल की कसौटी है। दुनिया के देश इस सम्मेलन में उत्सर्जन में कटौती, जलवायु अनुकूलन, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग पर विचार कर रहे हैं। जलवायु अनुकूल शहर, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और आपदाओं का सामना करने में सक्षम स्वास्थ्य प्रणालियां भी इसकी प्राथमिकताओं में हैं। लेकिन इस वैश्विक विमर्श की सबसे बड़ी चुनौती है कि जलवायु परिवर्तन से प्रभावित आम लोगों की जिंदगी को नीतियों और समझौतों के केंद्र में कैसे लाया जाए।

कॉप-31 में भारत का उद्घाटन वक्तव्य इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत ने जलवायु बहुपक्षवाद और समानता तथा साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों एवं संबंधित क्षमताओं यानी सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव नरेंद्र भूषण ने भारत का पक्ष रखते हुए निष्पक्ष, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी परिणाम का आह्वान किया। भारत ने जी-77 और चीन, एलएमडीसी तथा बेसिक समूहों के वक्तव्यों के साथ अपनी सहमति जताई। उसने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय और पेरिस समझौते को ऐसा समावेशी मंच बताया, जहां प्रत्येक देश की आवाज सुनी जा सकती है।

भारत ने सम्मेलन की अध्यक्षता के लिए तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया के प्रयासों की सराहना करते हुए संवाद, आम सहमति और कार्रवाई पर आधारित कार्यान्वयन-केंद्रित दृष्टिकोण का स्वागत किया। यह दृष्टिकोण इसलिए महत्वपूर्ण है कि जलवायु वार्ताओं में घोषणाओं और जमीन पर वास्तविक कार्रवाई के बीच अक्सर लंबी दूरी दिखाई देती है। संवाद से विश्वास पैदा होता है, आम सहमति से सामूहिक जिम्मेदारी तय होती है और कार्रवाई से वादे वास्तविक प्रगति में बदलते हैं। लेकिन इनकी सार्थकता तभी है, जब जलवायु संकट का सामना कर रहे कमजोर समुदायों तक उसका लाभ पहुंचे।

वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य गंभीर दबाव में है। इसके पार जाने की आशंका केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत नहीं है। इससे गर्मी, सूखा, बाढ़ और चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ेगा। ऐसे में समानता का महत्व और बढ़ जाता है। जिन देशों का ऐतिहासिक उत्सर्जन में योगदान अपेक्षाकृत कम रहा है, वे अक्सर जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम झेल रहे हैं। इसलिए सभी देशों से समान प्रकार की जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा न्यायसंगत नहीं हो सकती। जलवायु न्याय का तकाजा है कि जिम्मेदारियों का निर्धारण ऐतिहासिक उत्सर्जन, आर्थिक क्षमता और विकास संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर हो।

लैंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट संकट की मानवीय कीमत सामने रखती है। इसके अनुसार, 2016 से 2025 के दौरान गर्मी से संबंधित वार्षिक मौतों में लगभग 36 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2023 में दुनिया भर में गर्मी से जुड़ी करीब 7.1 लाख मौतों का अनुमान लगाया गया, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक मौतें मानवजनित जलवायु परिवर्तन से बढ़े तापमान से जुड़ी थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दुनिया की 60.7 प्रतिशत भूमि पर कम-से-कम एक महीने तक अत्यधिक सूखे की स्थिति रही। यह 1951-1960 के औसत से 299 प्रतिशत अधिक थी। सूखा केवल पानी की कमी नहीं पैदा करता, बल्कि खेती, पेयजल, पोषण और ग्रामीण आजीविका को भी प्रभावित करता है।

भारत में इस संकट की आर्थिक और सामाजिक कीमत विशेष रूप से गंभीर है। लैंसेट काउंटडाउन की 2025 की भारत-विशिष्ट रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अत्यधिक गर्मी के कारण देश में 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट हुए। इनमें लगभग दो-तिहाई नुकसान कृषि क्षेत्र और करीब पांचवां हिस्सा निर्माण क्षेत्र से जुड़ा था। गर्मी के कारण काम करने की क्षमता में आई कमी से संभावित आय का नुकसान 194 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया। यह वास्तविक वेतन कटौती नहीं, बल्कि प्रभावित श्रम क्षमता की अनुमानित आर्थिक कीमत है। फिर भी यह आंकड़ा बताता है कि गर्मी का संकट अर्थव्यवस्था के सबसे कमजोर श्रम समूहों को किस हद तक प्रभावित कर रहा है।

इन आंकड़ों के पीछे उन परिवारों की कहानी है, जिनकी आमदनी घटती है, बचत इलाज में खर्च होती है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। दिहाड़ी मजदूर के लिए तेज गर्मी में काम रोकना आसान नहीं है। काम छोड़े तो कमाई बंद, जारी रखे तो निर्जलीकरण, लू और तापाघात का खतरा। उसके सामने कई बार स्वास्थ्य और भूख के बीच चुनाव करने की मजबूरी होती है। वातानुकूलित दफ्तर में काम करने वाले व्यक्ति और खुले आसमान के नीचे सड़क बनाने वाले मजदूर के लिए एक ही तापमान का अर्थ अलग-अलग है। रिक्शा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, निर्माण मजदूर और खेतिहर श्रमिकों के पास गर्मी से बचने के पर्याप्त साधन नहीं होते। जलवायु संकट पहले से मौजूद आर्थिक असमानता को और गहरा करता है।

बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों के लिए अत्यधिक गर्मी विशेष खतरा पैदा करती है। लैंसेट काउंटडाउन के अनुसार, 2021 से 2025 के दौरान भारत में 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मौतों का वार्षिक आर्थिक मूल्य 33.8 अरब डॉलर आंका गया। यह 2000-2004 की तुलना में 205 प्रतिशत अधिक था। जीवन और मानवीय पीड़ा को आर्थिक मूल्य में पूरी तरह नहीं आंका जा सकता, लेकिन ये आंकड़े स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने खड़ी चुनौती का पैमाना जरूर बताते हैं।

जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण का संबंध भी गंभीर है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल से हरितगृह गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है और वायु प्रदूषण भी पैदा होता है। इसका असर सांस संबंधी बीमारियों और हृदय रोगों के रूप में सामने आता है। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव केवल जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने का उपाय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरत भी है। हालांकि ऊर्जा परिवर्तन की कीमत गरीब और विकासशील देशों पर डालना उचित नहीं होगा। उन्हें आवश्यक वित्तीय और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराना विकसित देशों की जिम्मेदारी है। भारत ने कॉप-31 में जलवायु वित्त के इसी पक्ष को प्रमुखता दी है। उसका कहना है कि विकासशील देशों में जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देने और उनकी कमजोरियों को दूर करने के लिए विकसित देशों से मिलने वाला सार्वजनिक वित्त केंद्रीय भूमिका निभाता है। पेरिस समझौते का अनुच्छेद 9.1 विकसित देशों पर यह दायित्व निर्धारित करता है कि वे विकासशील देशों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराएं। यह प्रावधान महज कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जलवायु न्याय की बुनियादी शर्त है। अनुकूलन, आपदा प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए विकासशील देशों को पर्याप्त, सुलभ और पूर्वानुमेय वित्त की जरूरत है।

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी



प्रहलाद सबनानी

भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है।

हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी। इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है।

भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है।

एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है।



केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है।

देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छतीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है। जिस प्रदेश की व्यापार एवं उद्योगों की नीतियां, व्यापारियों एवं उद्योगों के अधिक हित में हैं, उन प्रदेशों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। आज भारत का युवा वर्ग अच्छी सरकारी नौकरी की तलाश में अधिक समय व्यतीत करने लगा है इसके कारण 18 से 30 वर्षों की उम्र के युवाओं में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है जबकि 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर बहुत कम है। 30 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही युवाओं को आभास होने लगता है कि अब तो जो भी रोजगार मिले उसे प्राप्त करना ही बेहतर है। इसी प्रकार, लगभग 10वीं कक्षा तक शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है परंतु स्नातक एवं स्नात्तकोतर तक की शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है। क्योंकि, अधिक पढ़ा लिखा वर्ग सरकारी नौकरी ढूंढने में अपना अधिक समय बर्बाद कर देता है। जबकि कम पढ़ा लिखा युवा सरकारी नौकरी के चक्कर से अपने आप को दूर रखते हुए जो भी रोजगार के अवसर उसे प्राप्त होता है उसे स्वीकार कर लेता है। केरल, पंजाब एवं गोवा राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में सरकारी नीतियां ही इसके लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। जबकि, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित हो रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में वातावरण व्यापार एवं उद्योगों के लिए सहायक है। उक्त कारणों के चलते ही भारत का पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग, उत्तरी एवं पूर्वी भाग की तुलना में अधिक तेजी से विकास कर रहा है। भारत की कुल जनसंख्या में से लगभग 60 प्रतिशत नागरिक ही श्रम के रूप में अपनी भागीदारी प्रदान कर रहे हैं जबकि वियतनाम में 70 प्रतिशत, बांग्लादेश में 67 प्रतिशत है। अर्थात, जितने अधिक नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होगा देश के आर्थिक विकास में नागरिकों की भागीदारी उतनी अधिक होगी। हर्ष का विषय है कि भारत के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की श्रम में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। भारत में वर्ष 2011 से वर्ष 2023 के बीच 49.6 करोड़ नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सका है एवं रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं यथा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना, जल जीवन मिशन, दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना, आदि के सफल क्रियान्वयन से यह सम्भव हो सका है। वित्तीय समावेशन की सफलता ने भी इतनी बड़ी संख्या में गरीब नागरिकों को गरीबी रेखा के ऊपर लाए जाने ने अपना योगदान प्रदान किया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने भी इस संदर्भ में गरीब वर्ग की बहुत मदद की है क्योंकि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता राशि अब सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है जिससे इस क्षेत्र में होने वाले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकी है। भारत में आज, पिछले 12 वर्ष पूर्व की तुलना में, अधिक शांति दिखाई देती है। देश में नागरिकों के बीच अशांति एवं दंगे आदि जैसी कुरीतियां कम हुई हैं। इन परिस्थितियों ने भारत में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। पूरे विश्व में भारत आज सबसे अधिक शांति प्रिय देश माना जा रहा है। इसी का परिणाम है कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष भारत में धन तेरस के पावन पर्व पर कुल 1.2 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्भव हो सका है। देश में एक दिन में ही 50 टन सोने का व्यापार हुआ है। 20,000 करोड़ रुपए की चांदी खरीदी गई है। सोना-चांदी मिलाकर 66,000 करोड़ रुपए की खरीदारी की गई है। एक दिन में ही 5 लाख स्कूटर बिके हैं एवं लगभग एक लाख कारें बिकीं हैं। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष धन तेरस के दिन 20 प्रतिशत अधिक व्यापार हुआ है। दिवाली के पूरे मौसम में इस वर्ष कुल 6 लाख रुपए से 7 लाख करोड़ रुपए के बीच व्यापार होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत में छोटे छोटे अंतराल के बाद एक ऐसा त्यौहार मनाया जाता है जिसके चलते अर्थव्यवस्था में गति आ जाती है। जैसे, त्यौहारों का मौसम नवरात्रि से प्रारम्भ होता है, फिर दीपावली आती है इसके बाद होली आती है, प्रत्येक 3 माह के बाद कोई न कोई बड़ा त्यौहार आता है। इसी कारण से भारतीय अर्थव्यवस्था को त्यौहारी अर्थव्यवस्था का नाम भी दिया जाता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता है। धार्मिक पर्यटन उद्योग भी भारत में तेजी से आगे बढ़ रहा है जो अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहा है। कुछ विशिष्ट नगरों में निर्मित बड़े-बड़े मंदिर उस नगर की पूरी अर्थव्यवस्था को सम्हाल रहे हैं जिससे रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं गरीब नागरिकों की संख्या में लगातार कमी हो रही है।

बच्चों पर कहर बरपा रही हैंड फुट माउथ डिजीज, रोजाना 5 से 7 बच्चे पहुंच रहे अस्पताल



राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब छोटे बच्चों की सेहत पर पड़ने लगा है। क्षेत्र में पांच वर्ष तक के बच्चे हैंड फुट माउथ डिजीज (एचएफएमडी) की चपेट में आ रहे हैं। स्थिति यह है कि रोजाना पांच से सात संक्रमित बच्चे उपचार के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, जबकि दोपहर में गर्मी का एहसास हो रहा है। दिन और रात के तापमान में अंतर के चलते बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। अस्पताल पहुंच रहे बच्चों में एचएफएमडी के लक्षण पाए जा रहे हैं। इस बीमारी में बच्चों की हथेलियों, पैरों के तलवों और मुंह व होठों के आसपास लाल दाने और चकत्ते पड़ जाते हैं। इसके अलावा बुखार आने और भूख कम लगने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हरेंद्र कुमार के अनुसार, हैंड फुट माउथ डिजीज एक संक्रामक वायरल बीमारी है, जो मुख्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करती है। संक्रमित बच्चे के संपर्क में आने से दूसरे बच्चों में भी संक्रमण फैल सकता है। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की साफ-सफाई और खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। साथ ही कहा कि जागरूकता की कमी और जरूरी सावधानियां नहीं बरतने से संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

चिकित्सकीय सलाह

बच्चों के हाथ नियमित अंतराल पर साबुन से धुलवाएं।

बच्चों की व्यक्तिगत स्वच्छता और खानपान का विशेष ध्यान रखें।

घर और स्कूल में संक्रमित बच्चों को अन्य बच्चों से अलग रखें।

बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न करें और तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें।

बेस अस्पताल श्रीकोट में एफएचटीएस यूनिट स्थापित

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कालेज से संबद्ध बेस अस्पताल श्रीकोट श्रीनगर में चिकित्सा शिक्षा के साथ शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ मेम्फिस में कार्यरत प्रोफेसर डॉ. आशीष जोशी के प्रयासों से बेस अस्पताल में फाउंडेशन आफ हेल्थ केयर टेक्नालॉजीज सोसाइटी (एफएचटीएस) यूनिट स्थापित की गई है। यूनिट के माध्यम से संकाय सदस्यों के साथ ही एमबीबीएस और पीजी पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं को शोध कार्यों के लिए प्रेरित किया जाएगा। रिसर्च लैब और डिजिटल रीडिंग रूम भी इसमें तैयार किए गए हैं जिससे चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को एक साथ आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। एफएचटीएस सोसाइटी की यूनिट का मुख्य उद्देश्य संस्थान में कार्यरत संकाय सदस्यों और मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों को शोध गतिविधियों से जोड़ना तथा रिसर्च के माध्यम से जनस्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। बेस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एएन पांडे ने बताया कि यूनिट में आवश्यकतानुसार सभी उपकरण स्थापित कर दिए गए हैं।

ब्लॉक स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का विजेता बना वैदेही क्लब


ब्लॉक स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता की विजेता टीम ट्राफी के साथ जीत का जश्न मनाते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : दीपावली एवं उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर वीरांगना वीरबाला तीलू रौतेली की स्मृति में युवा समिति काण्डा मल्ला द्वारा प्राथमिक विद्यालय काण्डा मल्ला में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में वैदेही क्लब ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि पालीधार पोखड़ा की टीम उपविजेता रही। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की कुल 22 टीमों ने प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। दो दिनों तक चले इस रोमांचक खेल आयोजन में खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना का प्रदर्शन किया। समिति ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना, युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा वीरांगना तीलू रौतेली के साहस और शौर्य की स्मृति को जीवंत रखना है। युवा समिति ने आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया और भविष्य में भी क्षेत्र में खेल एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

गढ़वाल कांग्रेस प्रभारी धीरेंद्र हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम में करेगें शिरकत


उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं गढ़वाल कांग्रेस प्रभारी धीरेंद्र प्रताप।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद कांग्रेस द्वारा गुरूवार को मंडल मुख्यालय पौड़ी में राज्य सरकार के विरूद्ध चलाये जा रहे हस्ताक्षर अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

कार्यक्रम में उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रवक्ता और गढ़वाल जनपद कांग्रेस के प्रभारी धीरेंद्र प्रताप शिरकत करेगें। गढ़वाल जनपद प्रभारी बनने के बाद धीरेंद्र प्रताप पहली बार जिला मुख्यालय पौड़ी आएंगे।

पौड़ी जनपद कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विनोद नेगी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वह इस मौके पर पौड़ी जनपद कांग्रेस द्वारा आयोजित राज्य सरकार के विरुद्ध चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान में शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि इस मौके पर वे यहां पहुंचे कई ब्लॉकों के कांग्रेस अध्यक्षों से भी संगठन की मजबूती, मतदान केंद्रों पर तमाम बूथो को मजबूती से संभालने के अभियान और कांग्रेस पार्टी के अन्य कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि पौड़ी जनपद के प्रभारी पद को ग्रहण करने के बाद धीरेंद्र प्रताप जिले के विभिन्न विकासखंडो का पहले ही दौरा कर चुके है।

यमुनोत्री धाम में युवाओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

बड़कोट। यमुनोत्री धाम के घाटों और यमुना तट पर फैली गंदगी को साफ करने के लिए बुधवार को रुद्रा संगठन के नेतृत्व में युवक–युवतियों ने स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान नदी किनारे और घाटों पर बिखरी साड़ियां, कपड़े, प्लास्टिक समेत अन्य कचरा एकत्रित किया गया। युवाओं ने करीब 20 से 25 कट्टे कूड़ा एकत्र कर धाम को स्वच्छ रखने का संदेश दिया।अभियान में शामिल टीम दीपक बिजल्वाण के साथी महाबीर पंवार माही, जयराज बिष्ट, सक्षम मेहरा और मनमोहन सिंह ने स्थानीय व्यापारियों, श्रद्धालुओं और आमजन से मां यमुना के घाटों पर गंदगी न फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यमुनोत्री धाम की स्वच्छता बनाए रखना किसी एक संस्था या विभाग की नहीं बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भारत विकास परिषद कराएगी सात बेटियों का सामूहिक विवाह

22 नवंबर को होगा आयोजन, नवदंपतियों को गृहस्थी का सामान भी करेगी भेंट


आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक परेशानी आड़े न आए, इसके लिए भारत विकास परिषद ने पहल की है। परिषद की ओर से सात बेटियों का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। विवाह समारोह में होने वाले सभी खर्च परिषद स्वयं वहन करेगी। साथ ही नवदंपतियों को नई गृहस्थी शुरू करने के लिए आवश्यक जीवनोपयोगी वस्तुएं भी भेंट की जाएंगी।

सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। परिषद के संयोजक कैलाश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि 22 नवंबर को नजीबाबाद रोड स्थित महाराजा पैलेस में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सात बेटियों का विवाह पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए कैलाश चंद्र अग्रवाल को संयोजक और राजेंद्र जखमोला को सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह संपन्न कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजनों से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलती है। बैठक में सचिव प्रदीप अग्रवाल, कैलाश चंद्र अग्रवाल, राजेंद्र जखमोला, तोताराम पांथरी, गोपाल बंसल, राजदीप माहेश्वरी, राकेश मित्तल, बीना मित्तल, गोपाल कुकरेती, मनोज नैथानी, सेवकराम मानुजा, दीपक कपटियाल, मीनाक्षी शर्मा, शीला कुकरेती, श्रीकृष्ण सिंघानिया और राकेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नवोदय विद्यालय में प्रवेश को 28 नवंबर को होगी परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरासैंण में कक्षा छः में प्रवेश के लिए 28 नवंबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके लिए पौड़ी जिले में 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में कुल 1431 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रशासन ने परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली हैं।

विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार ने बताया कि जिले के विभिन्न विकासखंडों में परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। खिर्सू विकासखंड के 144 अभ्यर्थी राजकीय इंटर कालेज श्रीनगर, कोट के 45 अभ्यर्थी राइंका कोट, कल्जीखाल के 44 अभ्यर्थी राइंका कांसखेत, पाबौ के 123 अभ्यर्थी राइंका पाबौ और थलीसैंण के 137 अभ्यर्थी राइंका थलीसैंण में परीक्षा देंगे। इसी तरह बीरोंखाल के 101 अभ्यर्थियों के लिए राइंका बीरोंखाल, नैनीडांडा के 31 के लिए राइंका धुमाकोट, द्वारीखाल के 103 के लिए राइंका सिलोगी, दुगड्डा के 205 के लिए राइंका कोटद्वार और जयहरीखाल के 64 अभ्यर्थियों के लिए राजकीय बालिका इंटर कालेज लैंसडौन में परीक्षा केंद्र बनाया गया है। वहीं, एकेश्वर विकासखंड के 71 अभ्यर्थी राइंका एकेश्वर, पोखड़ा के 53 राइंका पोखड़ा, रिखणीखाल के 94 राइंका रिखणीखाल और यमकेश्वर के 100 अभ्यर्थी राइंका लक्ष्मणझूला में परीक्षा देंगे। प्राचार्य ने बताया कि अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा के दिन अभ्यर्थियों को पहचान के लिए आधार कार्ड अथवा निवास प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

पांच साल बाद भी पूरा नहीं हुआ मार्ग का निर्माण, ग्रामीण परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के धारी-बाग्यों मोटर मार्ग का निर्माण पांच साल बाद भी पूरा नहीं हो पाया है। सड़क की बदहाल स्थिति और क्षतिग्रस्त पैदल रास्तों से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीण विजेंद्र सिंह राणा व उत्तम सिंह राणा ने बताया कि लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर ने पांच वर्ष पूर्व कोटी गांव के पास से तीन किलोमीटर मार्ग टका निर्माण शुरू किया था, लेकिन काम अब भी अधूरा है। मार्ग पर बिखरे पत्थरों और क्षतिग्रस्त रास्तों से लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है। इससे जल, जंगल, खेत और स्कूल जाने वाले रास्ते भी प्रभावित हैं। ग्रामीणों ने विभाग से मार्ग की दशा सुधारने और गांव के लिए एक किमी. मार्ग का निर्माण कराने की मांग की। वहीं अधिशासी अभियंता धीरेंद्र कुमार ने बताया कि विवाद के कारण मार्ग पर पार्ट वन का कार्य पूरा नहीं हो पाया है। इसके बाद पार्ट टू का कार्य कराया जाएगा और फिर यातायात शुरू करने का प्रयास होगा। मार्ग विस्तार की योजना भी तैयार की जाएगी। (एजेंसी)

दीक्षांत समारोह के लिए 22 नवंबर तक बढ़ी पंजीकरण की तिथि

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय ने 13वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों को राहत देते हुए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 22 नवंबर तक कर दी है। विवि के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, 13वां दीक्षांत समारोह आगामी 1 दिसंबर को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

पढ़ाई के साथ हुनर सीख रहीं पुनर्वास केंद्र की बालिकाएं


कोटद्वार के राजकीय किशोरी संप्रेक्षण एवं पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त करती बालिकाएं।

आत्मनिर्भर बनाने के लिए योग, पेंटिंग और काफ्टिंग का प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : किसी के सपनों को नई उड़ान देने के लिए शिक्षा के साथ हुनर का होना भी जरूरी है। इसी सोच के साथ सिम्मलचौड़ स्थित राजकीय किशोरी संप्रेक्षण एवं पुनर्वास केंद्र में रह रही बालिकाओं को पढ़ाई के साथ विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यहां बालिकाएं योग, पेंटिंग और क्राफ्टिंग सीखने के साथ बाजार की जरूरतों को भी समझ रही हैं। उद्देश्य है कि शिक्षा पूरी करने के बाद वे किसी पर निर्भर रहने के बजाय अपने हुनर से आत्मनिर्भर जीवन की शुरुआत कर सकें।

दरअसल, बीती 18 अक्टूबर को जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने केंद्र का निरीक्षण किया था। इस दौरान बालिकाओं से बातचीत में पता चला कि कई बालिकाएं विद्यालय नहीं जा रही थीं और अपने भविष्य को लेकर चिंतित थीं। इस पर जिलाधिकारी ने जिला परिवीक्षा अधिकारी को बालिकाओं का विद्यालयों में दाखिला कराने के निर्देश दिए। इसके बाद उनका स्कूलों में प्रवेश कराया गया और नियमित पढ़ाई शुरू हो गई। विद्यालयी शिक्षा से जोड़ने के बाद अब बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास और व्यावहारिक कौशल को निखारने पर भी जोर दिया जा रहा है। केंद्र में उन्हें योगाभ्यास के साथ पेंटिंग और क्राफ्टिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन गतिविधियों के जरिए उनकी रचनात्मक क्षमता विकसित करने और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र की अधीक्षिका विजय लक्ष्मी भट्ट ने बताया कि बालिकाएं पढ़ाई के साथ रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। उन्हें नियमित रूप से विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही बाजार की जरूरतों से परिचित कराकर ऐसे कौशल विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जो भविष्य में उनके रोजगार और पुनर्वास में सहायक बन सकें।

किसी को नौकरी तो किसी को देश सेवा की चाह

केंद्र में रह रही बालिकाएं अब अपने भविष्य को लेकर नए सपने संजो रही हैं। कोई पढ़-लिखकर सरकारी नौकरी हासिल करना चाहती है तो कोई देश और समाज की सेवा करने की इच्छा रखती है। बालिकाओं का कहना है कि वे शिक्षा और हुनर के बल पर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हैं, ताकि भविष्य में अपनी अलग पहचान बना सकें।

कीर्तिनगर में पेयजल समस्या के समाधान की उम्मीद जगी

श्रीनगर गढ़वाल : नगर पंचायत कीर्तिनगर में पेयजल समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है। पेयजल निगम देवप्रयाग ने जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जाइका) के तहत करीब 43 करोड़ रूपये की नई पेयजल योजना की डीपीआर भेजी है। योजना को इसी वित्तीय वर्ष में स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। नगर पंचायत के परिसीमन के बाद जाखणी, मोहन नगर और नई बस्ती सहित अन्य तोकों के शामिल होने से आबादी बढ़ी है, लेकिन पेयजल व्यवस्था का विस्तार नही हुआ। गर्मियों में पानी की कमी और बरसात में स्रोत का चैंबर व पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से कई दिनों तक आपूर्ति बाधित रहती है। ऐसे में लोगों को प्राकृतिक जलस्रोतों, हैंडपंपों और टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है। वही पेयजल निगम देवप्रयाग के अधिशासी अभियंता अजय गुरुंग ने बताया कि योजना की डीपीआर शासन स्तर पर अंतिम चरण में है। स्वीकृति मिलने के बाद निविदा जारी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

पूर्व सैनिकों ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार में मेडिकल कालेज निर्माण का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। लंबे समय से मिल रहे आश्वासनों के बावजूद मेडिकल कालेज का निर्माण शुरू नहीं होने पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने नाराजगी जताई है। परिषद का कहना है कि चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। विकास के नाम पर केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।इस संबंध में कालाबड़ क्षेत्र में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि चुनाव के दौरान नेताओं ने कोटद्वार की जनता से मेडिकल कालेज सहित कई विकास कार्यों के वादे किए थे। लेकिन, पांच वर्ष का कार्यकाल बीतने को है और क्षेत्र की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। मेडिकल कालेज निर्माण की दिशा में भी अब तक कोई ठोस प्रगति नजर नहीं आई है। वक्ताओं ने कहा कि पूर्व में मेडिकल कालेज निर्माण के लिए भूमि चिह्नित की गई थी। इसके बाद सुरक्षा दीवार और अन्य कार्यों के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन मेडिकल कालेज धरातल पर नहीं उतर पाया। आरोप लगाया कि निर्माण के लिए चिह्नित भूमि भी अवैध खनन की भेंट चढ़ गई। इसके बावजूद जिम्मेदारों की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। परिषद के सदस्यों ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से मेडिकल कालेज निर्माण की उम्मीद लगाए बैठी है। ऐसे में बार-बार आश्वासन देने के बजाय सरकार और जनप्रतिनिधियों को निर्माण कार्य शुरू कराने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। बैठक में परिषद के संरक्षक गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, बलवान सिंह रावत, देवेंद्र सिंह नेगी, संजय असवाल, वीरेंद्र रावत और दलवीर नेगी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सिद्धपीठ थानेश्वर महादेव मंदिर में बैकुंठ चतुर्दशी मेला 23 नवंबर को, तैयारियां शुरू


जनपद पौड़ी गढ़वाल के ग्राम थनुल स्थित सिद्धपीठ थानेश्वर महादेव मंदिर।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी जनपद के पट्टी मनियारस्यूं ग्राम थनुल स्थित सिद्धपीठ थानेश्वर महादेव मंदिर में 23 नवंबर को आयोजित होने वाला प्रसिद्ध बैकुंठ चतुर्दशी मेला की व्यवस्थाओं की तैयारियों को लेकर मंदिर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मनमोहन सिंह रावत की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विशेष कर संतान प्राप्ति की चाहत रखने वाली निःसंतान दंपतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विचार विमर्श किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष जगमोहन डांगी ने बताया कि मंदिर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष मनमोहन सिंह रावत के नेतृत्व में ग्रामवासियों के सहयोग से मंदिर परिसर पर रंग रोगन, विद्युत व्यवस्था, मंदिर की सजावट आदि का कार्य गतिमान है। वहीं महिला मंगल दल अध्यक्ष बसंती देवी के नेतृत्व में मंदिर परिसर में और मंदिर में जाने वाले संपर्क मार्गों पर झाड़ियों की सफाई की जा रही है। मंदिर समिति के पास अभी तक शिव आराधना करने वाले मात्र एक दंपति का ही पंजीकरण हुआ है। डांगी ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत थनूल प्रधान देवेंद्र सिंह रावत, मंदिर समिति के संरक्षक बीएस नयाल, महिला मंडल दल अध्यक्ष बसंती देवी, पूर्व प्रधान उमा देवी, पूर्व प्रधान विजय लक्ष्मी देवी, मीना देवी, गीता देवी, महेश्वरी देवी, सरोजनी देवी आदि मौजूद थे।

धारी एवं थापला गांव में रामलीला का मंचन शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल के कल्जीखाल ब्लॉक के धारी, थापला गांव की प्रसिद्ध पौराणिक रामलीला का मंचन गुरूवार से शुरू हो गया है। जबकि साकनी बड़ी की रामलीला का मंचन 14 नवंबर से शुरू होगा।

ग्राम धारी गांव की 92 वर्ष में प्रवेश कर गई है। रामलीला मंचन के निर्देशक दलवीर सिंह रावत ने बताया दो दशकों से रामलीला का मंचन दिन में किया जाता है। वहीं थापला की रामलीला भी 108 वर्ष में प्रवेश कर रही है। रामलीला के संयोजक दिल्ली पुलिस में कार्यरत एसीपी संजय असवाल ने बताया कि उनके यहां आज भी रात्रि की रामलीला मंचन किया जाता है। उधर, पट्टी मनियारस्यूं के दिउसी गांव में आयोजित रामलीला मंचन का आज पंचम दिवस में प्रवेश कर रही है। गांव के पूर्व प्रधान पंडित शिव प्रसाद कुकरेती ने बताया कि गांव की रामलीला का भी सदियों पुराना इतिहास है। जिससे नई पीढ़ी नई तकनीक इस धार्मिक विरासत को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में पलायन के कारण गांवों की संख्या बेश-ाक कम होने से दर्शकों की संख्या कम होगी, लेकिन दूर दराज के गांवों से भारी संख्या में दर्शक मंचन देखने उमड़ रहे हैं।



मंचन पर अभिनय करने वाले युवाओं कलाकारों का हौसला बढ़ता है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आंदोलन जारी, दी चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मानदेय में बढ़ोतरी की मांग को लेकर दुगड्डा, जयहरीखाल और रिखणीखाल ब्लॉक की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आंदोलन बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मानदेय में वास्तविक बढ़ोत्तरी की राशि घोषित नहीं होती तब तक आंदोलन जारी रहेगा।बुधवार को जिलाध्यक्ष बसंती रावत और ब्लॉक अध्यक्ष संगीता भट्ट के नेतृत्व में कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुईं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभाग की कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाती है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि संगठन 23 अक्तूबर से कार्य बहिष्कार कर रहा है। दो नवंबर को देहरादून में प्रदेशव्यापी रैली भी निकाली गई थी। संगठन की मांग है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में प्रतिदिन 140 रुपये और सहायिकाओं व मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में प्रतिदिन 70 रुपये की बढ़ोत्तरी की जाए। साथ ही सेवानिवृत्ति पर अंशदान कल्याण कोष से एकमुश्त 10 लाख दिए जाए। धरने में सुमनलता, विजय लक्ष्मी, जाहिदा, शोभा देवी, मधु, आशा देवी, अनीता, मंजू बिष्ट, अनीता देवी, शीतल थपलियाल, रेखा देवी, कविता कोटनाला और गोदांबरी आदि शामिल रहीं।

मां यमुना के जयकारों से गूंज उठा यमुनोत्री धाम

शीतकालीन गद्दीस्थल खरसाली में ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा व फूल-मालाओं से किया डोली का स्वागत



बड़कोट (उत्तरकाशी)। यमुनोत्री धाम में मां यमुना के मंदिर के कपाट बुधवार को भैयादूज के पावन पर्व पर विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं। इस दौरान मां यमुना के जयकारों से पूरा धाम गूंज उठा। सुबह 10:28 बजे शुभ मुहूर्त में कपाट बंद होने के साथ ही मां यमुना की उत्सव डोली शनिदेव महाराज की अगुवाई में अपने शीतकालीन प्रवास खरसाली के लिए रवाना हुई। दोपहर बाद डोली के खरसाली पहुंचने पर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, फूल-मालाओं और जयकारों के साथ मां यमुना का भव्य स्वागत किया। भैयादूज पर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि, अनुराधा नक्षत्र, सौम्य योग और धनु लग्न में निर्धारित शुभ मुहूर्त के अनुसार यमुनोत्री धाम में मां यमुना के मंदिर के कपाट बंद किए गए। इस दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। मां यमुना के जयकारों और वैदिक मंत्रोच्चार से धाम का वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कपाट बंद होने के बाद शनिदेव महाराज की अगुवाई में मां यमुना की उत्सव डोली पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर धुनों के बीच खरसाली के लिए रवाना हुई। इस दौरान क्षेत्र की अन्य देव डोलियां भी मौजूद रहीं। दोपहर बाद मां यमुना की डोली के अपने शीतकालीन प्रवास खरसाली पहुंचने पर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

बागेश्वर और मेहलचौरी की टीमों ने जीता मैच

गैरसैंण। मेहलचौरी में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर बालक फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। जिला खेल कार्यालय हल्द्वानी की ओर से हुए इन मैचों में युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। बुधवार को खेले गए मुकाबलों में बागेश्वर और मेजबान मेहलचौरी की टीमों ने शानदार जीत दर्ज की।

बुधवार को पहला मुकाबला गोपेश्वर और बागेश्वर के बीच हुआ जिसमें बागेश्वर ने गोपेश्वर को 3-1 से करारी शिकस्त दी। बागेश्वर के लिए टोनी ने दो गोल किए जबकि तनिष्क ने एक गोल दागा। गोपेश्वर की ओर से एकमात्र गोल हैप्पी ने किया। दूसरे मुकाबले में मेजबान मेहलचौरी ने गैरसैंण पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। मेहलचौरी ने गैरसैंण को 4-0 के बड़े अंतर से हराया। दिन का तीसरा मुकाबला बागेश्वर और गौचर के बीच खेला गया। यह मैच निर्धारित समय तक 2-2 की बराबरी पर रहा जिसके बाद इसे ड्रॉ घोषित किया गया। टूर्नामेंट के इन रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। संयोजक राकेश सिंह रावत भी दर्शकों के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते दिखे।

सिदरी के फफराला तोक में दो मंजिला मकान जलकर राख



पुरोला। मोरी विकासखंड के सिदरी गांव के फफराला तोक में मंगलवार देर रात भीषण अग्निकांड में लकड़ी का दो मंजिला मकान जलकर राख हो गया।

फफराला तोक निवासी दिनेश कुमार का परिवार रात घर में सो रहा था। इसी दौरान अचानक मकान में आग लग गई। लकड़ी के भवन में आग तेजी से फैलने लगी और देखते ही देखते ऊंची लपटें उठने लगी। आग का विकराल रूप देखकर ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। अपनी जान की परवाह किए बिना ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और मकान में फंसे बच्चों व महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, आग इतनी भीषण थी कि घर का सामान बचाने का कोई मौका नहीं मिल सका।

आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि या पशुहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही राजस्व विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई। उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला ने बताया कि फफराला तोक में दिनेश कुमार के दोमंजिला मकान में आग लगने से राशन, कपड़े और अन्य घरेलू सामग्री जलकर नष्ट हुई है। राजस्व टीम को मौके पर भेजकर नुकसान का आकलन कराया जा रहा है।

केंद्रीय विद्यालय का नया भवन बनकर हुआ तैयार

नई टिहरी। जिला मुख्यालय नई टिहरी स्थित केंद्रीय विद्यालय को करीब 39 साल बाद अपना भवन मिलने जा रहा है। विद्यालय का नए भवन के साथ स्टाप आवास बनकर तैयार हैं। रीजनल कार्यालय से अनुमति के बाद कक्षाएं नए भवन में संचालित होगी।

जी ब्लॉक आंचल डेयरी के समीप करीब 38 करोड़ से अधिक लागत से तैयार केंद्रीय विद्यालय के भवन का निर्माण राष्ट्रीय परियोजना निर्माण निगम (एनपीसीसी) ने करवाया है। जिला मुख्यालय में वर्ष 1987 में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की थी। तब से विद्यालय टीन शेड और राजकीय प्राथमिक विद्यालय जी ब्लॉक के भवन में संचालित हो रहा था। विद्यालय का अपना भवन न होने से छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों को कई प्रकार की दिक्कतें झेलनी पड़ती थी।

2024 फरवरी माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विद्यालय के भवन का वर्चुअल शिलान्यास किया। कार्यदायी संस्था को विद्यालय भवन के निर्माण दो वर्ष से अधिक का समय लगा। विद्यालय भवन का निर्माण कार्य अब लगभग पूरा हो चुका है। लंबे समय विद्यालय भवन के निर्माण मांग की उठ रही थी। लेकिन भूमि विवाद व अन्य कारण भवन का निर्माण नहीं हो पा रहा था। नये विद्यालय भवन बनने से जहां छात्रों को आधुनिक सुविधाओं युक्त कक्षा-कक्ष, विज्ञान प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, एकेडमिक ब्लॉक, ऑडिटोरियम सहित अन्य रचनात्मक गतिविधियों की व्यवस्था मिलेगी।

वहीं पढ़ाई का भी बेहतर माहौल मिलेगा। परिसर के अंदर प्रधानाचार्य, शिक्षकों और कर्मियों को आवास की सुविधा भी मिलेगी। नये भवन बनने से विद्यालय में प्राथमिक स्तर पर छात्रों के दाखिले के लिए सीटों के बढ़ने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय बच्चों को भी इसका लाभ मिलेगा।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत, तीन घायल

अगस्त्यमुनि। देवनगर बनियाड़ी में मंगलवार देर रात दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद श्रीनगर रेफर किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक बाइक पर ऋतिक (24) निवासी जखनोली और विपिन निवासी तिलनी सवार थे। दूसरी बाइक पर राहुल (26) और संजय नेगी निवासी पेलिंग परकंडी सवार थे। देवनगर बनियाड़ी हुई दुर्घटना के बाद चारों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि पहुंचाया गया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. हेमा असवाल ने बताया कि संजय नेगी की हादसे में मौत हो गई थी वही ऋतिक के सिर पर गंभीर चोट होने के कारण उसे श्रीनगर रेफर किया गया। अन्य दो घायलों का भी प्राथमिक उपचार किया गया किया। वह अब खतरे से बाहर है।

खच्चरों की लीद और पिस्ल से बनेंगे बायोमास पेलेट



रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर खच्चरों की लीद के निस्तारण के लिए सोनप्रयाग में खच्चरों की लीद और पिरूल से बायोमास पेलेट बनाने की इकाई स्थापित की गई है। जिला प्रशासन के अनुसार पहली बार इस तरह की पहल की गई है। बुधवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने इकाई का निरीक्षण कर इसकी कार्यप्रणाली देखी। इकाई में तैयार पेलेट से केदारनाथ में श्रद्धालुओं के लिए लगाए गए हॉट वॉटर जनरेटर के माध्यम से 24 घंटे निशुल्क गर्म पानी उपलब्ध कराया जाएगा। जल्द लिंचोली और गौरीकुंड में भी हॉट वॉटर जनरेटर स्थापित किए जाएंगे।

इन बायोमास पेलेट (कोयला) का इस्तेमाल हॉट वॉटर बॉयलर और ढाबों को उपलब्ध कराए जाने वाले फायर स्टोव में भी होगा। इससे गैस और डीजल की खपत कम करने में मदद मिलेगी। उत्तराखंड के उद्योगों की फर्नेस में भी इनके इस्तेमाल की योजना है। हालांकि फिलहाल इकाई बड़े पैमाने पर उत्पादन करने में सक्षम नहीं है। एनजीओ हाईफीड ने उत्तराखंड पर्यटन विभाग के सहयोग और जिला प्रशासन, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय व वन विभाग के समन्वय से यह इकाई स्थापित की है। हाईफीड के निदेशक उदित घिल्डियाल ने बताया कि यात्रा में यात्रियों की भीड़ के कारण सोनप्रयाग में इकाई और केदारनाथ में हॉट वॉटर जनरेटर स्थापित करने में कठिनाइयां आईं। मगर अब बायोमास पेलेट से समस्या का समाधान होगा। जल्द ही लिंचोली और गौरीकुंड में भी हॉट वॉटर जनरेटर स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह बायोमास पेलेट कार्बन न्यूट्रल ईंधन विकल्प के रूप में विकसित किए गए हैं। इनका इस्तेमाल हॉट वॉटर बॉयलर के साथ यात्रा मार्ग के ढाबों को उपलब्ध कराए जाने वाले विशेष फायर स्टोव में भी किया जाएगा। इससे गैस और डीजल की खपत कम करने में मदद मिलेगी. इसके अलावा उत्तराखंड में स्थापित विभिन्न उद्योगों की भट्टियों में भी इन पेलेट के इस्तेमाल की संभावनाएं भी तलाशी जा रही है.

एक नजर

मानदेय बढ़ाने, राज्य कर्मचारी घोषित करने की मांग

उत्तरकाशी/पुरोला। सात सूत्री मांगों को लेकर बुधवार को आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय और पुरोला में आवाज बुलंद की। जिला मुख्यालय में आशा कार्यकर्ताओं ने बैठक कर सरकार से मांगों पर जल्द कार्रवाई की मांग उठाई। वहीं, पुरोला में तहसील परिसर में प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही एसडीएम मुकेश रमोला के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

जिला मुख्यालय स्थित काली कमली धर्मशाला में संगठन की जिलाध्यक्ष रेखा नौटियाल के नेतृत्व में आशा कार्यकर्ताओं ने बैठक की। बैठक में आरती देवी, सरिता देवी, पुष्पा देवी, मंजू देवी, गीता देवी और उर्मिला देवी आदि मौजूद रहीं। उधर, पुरोला में आशा कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया। इस मौके पर अम्बेश्वरी, बीना नेगी, कविता रावत, मीना भंडारी, सरोज उनियाल, अंजना, जयमाला, ममता, देवी, राजबाला, कुसुम रावत आदि मौजूद रहीं।

सिलक्यारा टनल का निर्माण अंतिम चरण में

चिन्यालीसौड़। यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन बहुचर्चित सिलक्यारा टनल के निर्माण को लेकर अच्छी खबर है। लंबे समय तक बाधाओं और चुनौतियों से जूझने के बाद अब टनल का निर्माण अंतिम चरण में है। निर्माण कार्य कर रही नवयुगा कंपनी का दावा है कि काम में फिलहाल कोई रुकावट नहीं है और इसे उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय पर पूरा किया जाएगा।

कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि अगले वर्ष के अंत तक चारधाम यात्रा के दौरान इस टनल से वाहनों की आवाजाही शुरू करने का लक्ष्य है।चारधाम ऑलवेदर रोड प्रोजेक्ट का हिस्सा 4.5 किलोमीटर लंबी सिलक्यारा टनल गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मानदेय न बढ़ने पर ग्राम प्रहरियों ने जताया आक्रोश

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक के 95 ग्राम सभाओं में तैनात ग्राम प्रहरियों ने लंबे समय से मानदेय में बढ़ोतरी नहीं होने पर नाराजगी जताई है। ग्राम प्रहरियों का कहना है कि उन्हें वर्तमान में महज दो हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई के दौर में कम है। यहां आयोजित बैठक में ग्राम प्रहरियों ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 15 अगस्त 2025 को ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाने की घोषणा की थी। तब से उनके बैंक खातों में बढ़ा हुआ मानदेय नहीं पहुंचा है। बैठक में ग्राम प्रहरियों ने जल्द मानदेय बढ़ाने की मांग करते हुए सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी।

क्यार्क गांव में कालिया नाग मर्दन की लीला का किया मंचन

उत्तरकाशी। भटवाड़ी ब्लॉक के क्यार्क गांव में रात को आयोजित श्रीकृष्ण लीला में कालिया नाग मर्दन प्रसंग का भव्य मंचन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के सजीव मंचन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, डुंडा ब्लॉक प्रमुख राजदीप परमार और मुख्यमंत्री के गढ़वाल समन्वयक किशोर भट्ट ने किया।

उन्होंने ग्रामीणों की ओर से धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखने के लिए श्रीकृष्ण लीला के आयोजन की सराहना की। इस मौके पर कृष्ण लीला समिति के अध्यक्ष राजवीर सिंह रावत, वीरेंद्र राणा, विनोद पंवार, अमित नेगी, रविंद्र रावत, निर्देशक संजय राणा और भंडारी कुलवीर चौहान मौजूद रहे।

गौरी माई मंदिर के कपाट भी हुए बंद



फाटा। बाबा केदारनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली के गौरीकुंड पहुंचने से पूर्व ही गौरी माई मंदिर के कपाट आगामी छह माह के लिए बुधवार को सुबह आठ बजे विधि-विधान के साथ बंद कर दिए गए। इस दौरान मां गौरी की भोग मूर्तियों को स्थानीय हक-हकूकधारियों ने कंडी में विराजमान कर निकटवर्ती गौरीगांव स्थित चंडिका मंदिर में पहुंचाया। अब आगामी छह माह तक मां गौरी की पूजा-अर्चना इसी मंदिर में होगी।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी स्थान पर माता गौरी ने वर्षों तक कठोर तपस्या कर भगवान शिव को वर रूप में प्राप्त किया था। इसके बाद निकटवर्ती त्रियुगीनारायण में भगवान शिव एवं माता पार्वती का विवाह हुआ था। मान्यता है कि बाबा केदारनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली के गौरीकुंड पहुंचने से पहले ही गौरी माई मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाते हैं। इस अवसर पर मंदिर समिति के प्रबंधक कैलाश बगवाड़ी, ग्राम प्रधान कुसुम देवी, मायाराम गोस्वामी, संपूर्णानंद गोस्वामी, विनोद रौतेला, अनूप गोस्वामी, रामचंद्र गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

औली में स्नो मेकिंग मशीन के ट्रायल पर यूकेडी ने उठाए सवाल

ज्योतिर्मठ। औली में स्नो मेकिंग मशीन से कृत्रिम बर्फ बनाने के ट्रायल को लेकर यूकेडी ने सवाल उठाए हैं। यूकेडी युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अंशुमान बिष्ट ने कहा कि डेढ़ दशक से बंद पड़ी मशीनें अचानक बिना तकनीकी विशेषज्ञों की मदद के बर्फ बनाने लगीं। उन्होंने ट्रायल की सफलता के दावे पर सवाल उठाते हुए इसे सरकारी धन की बरबादी बताया। अंशुमान बिष्ट ने कहा कि औली में मशीनें स्थापित होने के बाद से कभी भी पर्याप्त मात्रा में बर्फ नहीं बना पाई हैं। कुछ साल पहले आठ नंबर टावर के पास ही हल्की बर्फ बन पाई थी। अब मशीनों का ट्रायल सफल होने का दावा किया जा रहा है जबकि ट्रायल करने वालों के पास तकनीकी दक्षता होने पर भी सवाल हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से बंद रहने के कारण मशीनों में कई तरह की तकनीकी खराबियां आ चुकी होंगी। ऐसे में इनकी वास्तविक क्षमता और कार्यशीलता की जांच जरूरी है।

तीन विभूतियों को दिया शिक्षा ज्योति सम्मान

नंदासैंण। पर्यावरण संवर्द्धन, पर्यटन एवं विकास मेले के तीसरे दिन बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। इस दौरान मैती संस्था ने बबीता थपलियाल, वीरेंद्र दत्त गोदियाल और भगवती प्रसाद गैरोला को शिक्षा ज्योति सम्मान दिया। वहीं मेधावी छात्र-छात्राएं सिद्धि, निधि और अनमोल मलेठा को स्व. कृपाल सिंह खत्री स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं।

कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल और मैती संस्था के संस्थापक पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने बुधवार को कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जूनियर हाईस्कूल बैनोली और जीआईसी नैणी की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किए। प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मैती संस्था ने मांगल गीत प्रतियोगिता भी आयोजित की। विधायक अनिल नौटियाल ने कहा कि मेला ग्रामीण बच्चों को प्रतिभा दिखाने का अवसर देता है। उन्होंने गैरसैंण के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये की योजनाएं स्वीकृत होने और विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने का प्रयास करने की जानकारी दी। इस मौके पर यूथ फिजीकल एकेडमी के संस्थापक अनिल नेगी, भाजपा जिला महामंत्री अरुण मैठाणी, कांग्रेस नेता हरिकृष्ण भट्ट, मंगला कोठियाल, गणेश राठी, हेमेंद्र कुंवर, कुसुम कंडवाल, भूपेंद्र रावत, गब्बर सिंह रावत, ज्योति कैलखुरा, हेमा पंवार और राजेंद्र सगोई मौजूद रहे।

सतत मिलाप की टीम ने पूर्व सैनिकों की समस्याएं सुनी

लंबगांव (टिहरी)। गढ़वाल राइफल्स की सतत मिलाप टीम ने महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल लंबगांव में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। टीम ने पूर्व सैनिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान का भरोसा दिया।

बुधवार को आयोजित कैंप में 21वीं गढ़वाल राइफल्स की टीम ने पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रित बच्चों की छात्रवृत्ति योजना, पेंशन में बढ़ोत्तरी, प्रमाणपत्रों के शुद्धीकरण और जीवन प्रमाणपत्र का सत्यापन संबंधी कार्य किए। टीम के सूबेदार दिनेश सिंह, हवलदार नरेश रमोला और नायक विकास सिंह ने कहा कि सैनिक संगठन पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की हर छोटी-बड़ी समस्या के समाधान के लिए सदैव तत्पर है।

टीम ने देहरादून में एक बुजुर्ग की जान बचाने में अदम्य साहस दिखाने वाली उत्तराखंड गौरव सम्मान से सम्मानित एमडीएस पब्लिक स्कूल लंबगांव की पूर्व छात्रा श्वेता पंवार को भी सम्मानित किया। वह अभी देहरादून में कार्यरत हैं। उन्होंने सड़क पर जा रहे एक बुजुर्ग को बस की चपेट में आने से बचाकर मानवता और साहस की मिसाल पेश की थी। टीम ने कारगिल शहीद वीरेंद्र सिंह चौहान की पत्नी बांसुरी देवी का हालचाल भी जाना। पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष युद्धवीर राणा ने मिलाप टीम का आभार जताया।

व्यापारियों ने समेटा कारोबार, घोड़े-खच्चर और डांडी-कंडी संचालक घर रवाना



फाटा। केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही यात्रा मार्ग पर संचालित कारोबार सिमट गया है। घोड़े-खच्चर, डांडी-कंडी और पालकी संचालक अपने घरों के लिए रवाना हो गए हैं। वहीं यात्रा मार्ग पर संचालित अस्थायी टेंट, होटल और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान भी बंद कर दिए गए हैं।

इस वर्ष यात्रा कारोबार को लेकर व्यापारियों में मिले-जुले अनुभव रहे। शुरुआती 15 दिनों में श्रद्धालुओं की अच्छी आमद से कारोबार बेहतर रहा लेकिन इसके बाद यात्रियों की संख्या में गिरावट आने लगी। 15 जून तक यह स्थिति बनी रही। बरसात के दौरान यात्रा प्रभावित होने से कारोबार और घट गया। इस अवधि में कुल यात्रियों के करीब 14 से 15 प्रतिशत श्रद्धालु ही धाम पहुंचे। यात्रा के अंतिम माह में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने पर कारोबार ने फिर रफ्तार पकड़ी। व्यापारी जितेंद्र नेगी ने बताया कि शुरुआती दो महीनों में कारोबार अच्छा रहा लेकिन बरसात के बाद यात्रियों की संख्या घटने से आजीविका प्रभावित हुई। अंतिम चरण में यात्रा ने फिर गति पकड़ी, जिससे कारोबार को कुछ सहारा मिला।

बरसिल बैंड से स्वांरी-ग्वांस तक सड़क खस्ताहाल



चोपता। रुद्रप्रयाग-पोखरी मार्ग पर चोपता के समीप बरसिल बैंड से स्वांरी-ग्वांस सड़क की स्थिति बदहाल बनी है। जगह-जगह डामर उखड़ने से मार्ग पर चलना दूभर हो रहा है। ग्राम प्रधान क्यूड़ी महेन्द्र सिंह नेगी, सामाजिक कार्यकर्ता सुकदेव नौटियाल, भगत सिंह फरस्वाण, ओमप्रकाश नौटियाल, अनिल सिंह, आशा देवी आदि ने बताया कि गत वर्ष ग्रामीणों के विरोध के बाद लोनिवि ने यहां डामरीकरण कार्य शुरू किया गया लेकिन आधे में ही काम छोड़ दिया गया। जहां तक डामर बिछाया गया था वह भी कुछ महीनों में ही उखड़ गया। उन्होंने कहा कि शीघ्र डामरीकरण कार्य शुरू नहीं किया गया तो ग्रामीण आंदोलन करेंगे। वहीं लोनिवि के ईई मनोज दास ने कहा कि स्वारी-ग्वांस मार्ग पर कुछ स्थानों पर पानी होने के कारण डामर टिक नहीं पा रहा है। ऐसे स्थानों पर टाइल्स ही कारगर साबित हो सकती हैं। इसके लिए विभागीय कार्यवाही गतिमान है।

कुजौं-मैकोट तक हो रोडवेज बस का संचालन

गोपेश्वर। दशोली ब्लॉक के कुजौं-मैकोट क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने देहरादून से गोपेश्वर रोडवेज बस सेवा का विस्तार कर बस का संचालन कुजौं-मैकोट तक करने की मांग उठाई। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सीमा असवाल, पपेंद्र रावत, सैन सिंह आदि का कहना है कि कुजौं-मैकोट क्षेत्र के दस से अधिक गांवों के लिए लोक परिवहन की सुविधा नही है। लोग छोटे वाहनों से ही आवाजाही करते हैं। कई बार वाहन न मिलने के कारण वाहनों को बुकिंग कर ले जाना पड़ता है जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कहा गया कि गोपेश्वर तक देहरादून से बस सेवा का संचालन होता है। उन्होंने इस बस का संचालन कुजौं-मैकोट तक करने की मांग की।

श्रीदेव सुमन विवि के ऋषिकेश परिसर की बदलेगी तस्वीर

ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर को विश्वविद्यालय स्तर की सुविधाओं से लैस करने की तैयारी शुरू हो गई है। परिसर के समग्र विकास और आधुनिक शैक्षणिक ढांचे के निर्माण के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने करीब 200 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजा है। मंजूरी मिलने के बाद दो चरणों में विकास कार्य कराए जाएंगे।वर्ष 2019 में पंडित ललित मोहन शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश (ऑटोनॉमस कॉलेज) को श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय का परिसर बनाया गया था। हालांकि, विश्वविद्यालय परिसर का दर्जा मिलने के बावजूद यहां आधुनिक कक्षाकक्षों, प्रयोगशालाओं और अकादमिक भवनों जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है।प्रस्तावित योजना के पहले चरण में पुराने और अनुपयोगी भवनों को ध्वस्त किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में आधुनिक शैक्षणिक भवनों, कक्षाकक्षों और प्रयोगशालाओं का निर्माण कराया जाएगा। योजना के धरातल पर उतरने से परिसर में शिक्षण, प्रयोगात्मक कार्यों और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित होंगी।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये की स्टील फैक्ट्री में धमाका, 17 मजदूरों की मौत:12 घायल

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के इजमिर शहर के पास सोमवार को एक स्टील फैक्ट्री में धमाका हुआ। इसमें 17 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। हादसे के समय फैक्ट्री में काम चल रहा था। बीबीसीके मुताबिक, बॉयलर ले जा रही एक क्रेन गैस लाइन से टकरा गई। इसके बाद सामान नीचे लगी भट्टी में गिरा और जोरदार विस्फोट हो गया। मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय गवर्नर सुलेमान एल्बान ने बताया कि हादसा दोपहर के आसपास हुआ। उस समय क्रेन से एक नया बॉयलर ले जाया जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। फैक्ट्री चलाने वाली कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि हादसा प्लांट की एक इलेक्ट्रिक आर्क भट्टी में तय रखरखाव के काम के दौरान हुआ। यह फैक्ट्री हबास डेमिर सेलिक कंपनी की है, जो तुर्किये की बड़ी स्टील कंपनियों में शामिल है। राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने सोमवार को कैबिनेट बैठक के बाद हादसे में हुई मौतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और बचाव दल लगातार राहत और बचाव के काम में जुटे हैं। तुर्किये में काम के दौरान होने वाले हादसे लंबे समय से चिंता का विषय बने हुए हैं। स्वतंत्र सामाजिक संगठन तुर्किश हेल्थ एंड सेफ्टी लेबर वॉच ने भी इसे देश की एक बड़ी समस्या बताया है। जिस फैक्ट्री में हादसा हुआ, वह इजमिर के अलियागा इलाके में है। यह इलाका बड़े बंदरगाह के लिए जाना जाता है। यहां पुराने जहाजों को काटकर कबाड़ में बदलने का काम भी होता है।

मुश्किलों में जेन्सेन हुआंग: एक दिन में 69.5 हजार करोड़ रुपये घटी दौलत

वॉशिंगटन , एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग की संपत्ति में एक ही दिन में 7.4 अरब डॉलर (69.5 हजार करोड़ रुपये) की गिरावट आई है। कंपनी के शेयरों में दबाव के बीच उनकी कुल संपत्ति घटकर 154.7 अरब डॉलर (14.53 लाख करोड़ रुपये) रह गई। इसके साथ ही वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में आठवें स्थान से फिसलकर दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस गिरावट के पीछे कंपनी के सीईओ की निजी जिंदगी से जुड़ा विवाद भी चर्चा में है। हुआंग ने अपनी पत्नी लोरी हुआंग के प्रति बेवफाई की बात स्वीकार की है। हाल ही में एक कारोबारी अधिकारी के साथ उनके संबंधों को लेकर खबरें सामने आई थीं। बताया गया था कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को संदेह था कि वह अधिकारी चीन के लिए सूचनाएं जुटा रही थी। फोर्ब्स के मुताबिक, नौ नवंबर को कारोबार शुरू होने के शुरुआती आधे घंटे में ही हुआंग की संपत्ति 7.4 अरब डॉलर घटकर 154.7 अरब डॉलर रह गई। इसके बाद वह बर्कशायर हैथवे के प्रमुख वॉरेन बफेट और ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन से भी नीचे आ गए। इससे पहले छह नवंबर को ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स ने हुआंग की संपत्ति 150.9 अरब डॉलर बताई थी। व्यापक तकनीकी शेयरों में बिकवाली के दौरान उनकी संपत्ति में 15.1 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई थी। एनवीडिया ने हुआंग के साथ कथित विदेशी खुफिया गतिविधि से जुड़े मामले की खबरों के बाद स्वतंत्र जांच कराने की घोषणा की है। हुआंग ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में अपनी पत्नी और बच्चों को दुख पहुंचाने के लिए माफी मांगी और जांच में सहयोग करने की बात कही। हालांकि, एनवीडिया के बोर्ड ने कहा है कि उसके पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि कंपनी की गोपनीय जानकारी या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सूचनाओं से समझौता हुआ है। हुआंग फिलहाल कंपनी के प्रमुख बने हुए हैं। एनवीडिया में 3.5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हुआंग के पास एनवीडिया की 3.5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। वह कंपनी के सबसे बड़े व्यक्तिगत शेयरधारक हैं। उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा वेतन के बजाय कंपनी में उनकी हिस्सेदारी के मूल्य से जुड़ा है। यही वजह है कि एनवीडिया के शेयरों में उतार-चढ़ाव का असर उनकी कुल संपत्ति पर तेजी से पड़ता है। शेयरों की कीमत बढ़ने पर उनकी संपत्ति में फिर इजाफा हो सकता है, जबकि गिरावट जारी रहने पर उन्हें और नुकसान उठाना पड़ सकता है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जेन्सेन हुआंग के खिलाफ प्रस्तावित क्लास एक्शन मुकदमा दायर किया गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी और हुआंग ने शेयरधारकों को गुमराह किया।

मिडटर्म के झटके के बाद ट्रंप का बड़ा एक्शन, सीनेट से 161 पेंडिंग नियुक्तियों को दी हरी झंडी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सीनेट से 161 पेंडिंग एडमिनिस्ट्रेशन अपॉइंटमेंट्स को कन्फर्म करने में तेजी लाने को कहा है और ऊपरी सदन में क्लीयरेंस का इंतजार कर रहे 25 फेडरल जजों को मंजूरी देने पर खास जोर दिया है. ट्रुथ सोशल पर शेयर की गई एक अपील में ट्रंप ने सांसदों से कहा कि वे एग्जीक्यूटिव और ज्यूडिशियल नॉमिनेशन के बैकलॉग को जल्दी से पूरा करें, ताकि फेडरल एजेंसियों और ज्यूडिशियरी में पूरी ऑपरेशनल कैपेसिटी पक्की हो सके. ट्रंप ने पोस्ट किया, 'अमेरिकी सीनेट के लिए हमारे सभी पेंडिंग 161 नॉमिनेशन, जिसमें 25 फेडरल जज शामिल हैं, को कन्फर्म करना बहुत जरूरी है.

अमेरिकी संविधान के आर्टिकल ढ्ढढ्ढ के तहत कैबिनेट पदों, राजदूतों और फेडरल बेंच के लिए राष्ट्रपति के नॉमिनेशन के लिए उम्मीदवारों को पद



संभालने से पहले सीनेट की सलाह और सहमति की जरूरत होती है. यह तब हुआ जब डेमोक्रेट्स ने हाउस ऑफ रिप्रेज़ेंटेटिव्स और सीनेट दोनों पर फिर से कंट्रोल कर लिया, जिसे बड़े पैमाने पर एक ऐतिहासिक 'ब्लू वेव' कहा गया है, जिसमें लेजिस्लेटिव पावर का बैलेंस पूरी तरह से बदल गया है.

ये नुकसानदायक हार ट्रंप के बाकी प्रेसिडेंशियल टर्म के लिए एक बड़ी रुकावट बन गई है, जिससे पूरी तरह से डेमोक्रेटिक कंट्रोल वाली कांग्रेस एग्जीक्यूटिव ब्रांच को चुनौती देने के लिए तैयार है. रिपब्लिकन को चुनावों में भारी नुकसान होने के साथ कांग्रेस के डेमोक्रेट बड़े पॉलिसी प्रपोजल को आगे बढ़ाने, पिछले एग्जीक्यूटिव एक्शन को वापस लेने और एडमिनिस्ट्रेशन में कड़ी निगरानी जांच शुरू करने के लिए कमर कस रहे हैं.

फिर भी उनकी नई मिली मेजॉरिटी उन्हें बिना किसी रुकावट के लेजिस्लेटिव कंट्रोल नहीं देती है, क्योंकि प्रेसिडेंट के पास एक मजबूत कॉन्स्टिट्यूशनल सेफगार्ड है और वो है वीटो करने की पावर. अमेरिकी संविधान के आर्टिकल ढ्ढ, सेक्शन 7 के तहत, हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट से पास हुए हर लेजिस्लेटिव मेज़र को लागू होने से पहले प्रेसिडेंट के डेस्क तक पहुंचना चाहिए. एग्जीक्यूटिव ब्रांच के पास रविवार को छोड़कर किसी बिल पर साइन करने, फॉर्मल ऑब्जेक्शन के साथ उसे वापस करने या बिना साइन के उसे लागू करने की इजाज़त देने के लिए दस दिन का टाइम होता है. अगर रेगुलर वीटो जारी किया जाता है, तो विवादित बिल राष्ट्रपति की आपत्तियों के साथ अपने मूल सदन में वापस चला जाता है.

रूस: 'यूरोपीय देशों पर हमला का हमारा कोई इरादा नहीं', उप-विदेश मंत्री बोले- हमला हुआ तो जवाब देंगे

मॉस्को , एजेंसी। रूस के उप-विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा है कि रूस का यूरोपीय देशों पर हमला करने का न तो कोई इरादा है, न योजना और न ही इसकी कोई वजह है। यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) द्वारा आयोजित 'यूरोप का सैन्यीकरण : अब आगे क्या?' विषय पर एक गोलमेज चर्चा में



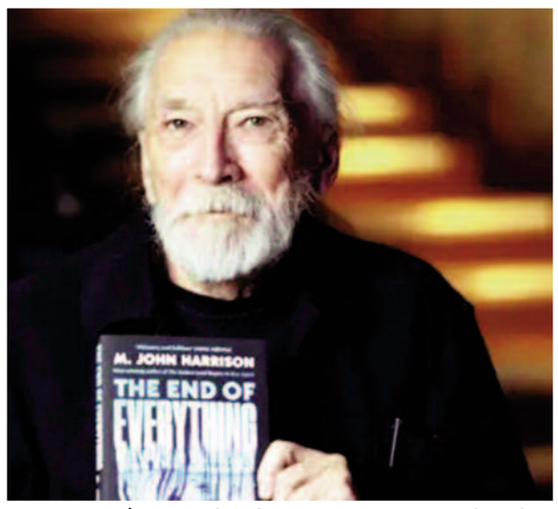
रयाबकोव ने कहा कि पश्चिमी देश यूरोप में सैन्य संघर्ष की आशंका पर इस तरह चर्चा कर रहे हैं, जैसे यह लगभग तय हो और इसे टाला नहीं जा सकता। 'यूरोप को रूस से कोई खतरा नहीं' रूस के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी बयान के मुताबिक, उप-विदेश मंत्री ने कहा कि रूस किसी के लिए खतरा नहीं है और निकट भविष्य या लंबे समय में किसी भी देश पर हमला करने की उसकी कोई योजना नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर रूस पर हमला किया जाता है तो मॉस्को को जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। रयाबकोव ने यह भी कहा कि कुछ यूरोपीय सरकारें रूस-यूक्रेन संघर्ष खत्म करने को लेकर गंभीर नहीं हैं। देशों ने यूक्रेन को उचित समाधान छोड़कर युद्ध का रास्ता चुनने के लिए प्रेरित किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, रूस और यूरोप के संबंधों के भविष्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मॉस्को को उम्मीद है कि देर-सवेर यूरोपीय देश समानता, साझा सुरक्षा, व्यावहारिक सोच और एक-दूसरे के हितों का सम्मान करने के आधार पर रूस के साथ बातचीत के लिए तैयार होंगे।

81 साल के एम. जॉन हैरिसन ने जीता बुकर प्राइज : द एंड ऑफ एवरीथिंग के लिए मिला सम्मान, उम्रदराज विजेता बने

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश साहित्य के जाने-माने लेखक एम. जॉन हैरिसन ने अपने उपन्यास 'द एंड ऑफ एवरीथिंग' (ञ्जद्धद्ग श्वठ्ठस्र श्वद्ध श्व1द्गह्य4ह्लद्धद्बठ्ठद्) के लिए प्रतिष्ठित बुकर प्राइज जीत लिया है। 81 वर्ष की उम्र में यह ऐतिहासिक सम्मान हासिल करने के साथ ही हैरिसन बुकर प्राइज के इतिहास में सबसे उम्रदराज विजेता बन गए हैं। सोमवार को लंदन में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें ट्रॉफी और 50 हजार पाउंड (लगभग 53 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। हैरिसन पिछले करीब छह दशकों से साहित्य सृजन में सक्रिय हैं और वैश्विक स्तर पर गंभीर पाठकों के बीच उनका एक खास मुकाम रहा है। 'द एंड ऑफ एवरीथिंग': रहस्यमयी आपदा के बाद बदलते समाज का ताना-बानाकथानक का दायरा: यह उपन्यास एक ऐसे काल्पनिक और झकझोर देने वाले ब्रिटिश समाज की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो एक अज्ञात व रहस्यमयी आपदा के बाद पूरी तरह बदल चुका है। समीक्षकों की राय: किताब को लेकर पाठकों और आलोचकों के बीच रोचक बहस देखने को मिली है। एक प्रमुख समीक्षक ने इसे 'उदास लेकिन बेहद शानदार' और 'सपने जैसा उलझाने वाला' करार दिया है।

जूरी चेयर डेम मैरी बियर्ड की टिप्पणी: 'चुनौतीपूर्ण मगर उम्मीद जगाती किताब'बुकर प्राइज के निर्णायक मंडल (जूरी) की अध्यक्ष डेम मैरी बियर्ड ने पुस्तक के चयन पर प्रकाश डालते हुए कहा:

साहित्यिक गहराई: उन्होंने स्वीकार किया कि यह उपन्यास पाठकों के लिए मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण है, लेकिन



विश्वस्तरीय और उच्च कोटि के साहित्य का स्वभाव ही ऐसा होना चाहिए जो सोचने पर विवश करे।

उम्मीद का संदेश: डेम मैरी ने कहा कि गंभीर और उदास विषय-वस्तु के बावजूद यह किताब पाठक को जीवन को देखने का एक नया नजरिया देती है, चेहरे पर हल्की मुस्कुराहट लाती है और अंत में मन में उम्मीद की एक पुख्ता किरण छोड़ जाती है।

कैलिफोर्निया नाव हादसा: दो मैक्सिकन पायलटों को 70-70 महीने की जेल, दो भारतीय बच्चों समेत 4 की हुई थी मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। दो मैक्सिकन बोट पायलटों को मानव तस्करी के मामले में 70-70 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। इस तस्करी में मई 2025 में कैलिफोर्निया के पास एक नाव पलटने से दो भारतीय बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। 28 साल के जीसस इवान रोड्रिगेज लेवा और 32 साल के जूलियो सीजर जुनिगा लूना को डेल मार के पास



पलटी हुई नाव को चलाने के लिए फेडरल कोर्ट ने सजा सुनाई। मारे गए भारतीय बच्चों की उम्र 14 और 10 साल थी। कैलिफोर्निया के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, बाकी दो मृतक मैक्सिकन वयस्क थे। पायलटों ने माना कि नाव में सुरक्षित क्षमता से कहीं अधिक यात्री सवार थे। नाव में न तो कोई लाइट थी और न ही रेडियो। खतरनाक सफर शुरू करने से पहले ही नाव की मोटर में खराबी आ गई थी, जिससे उन्हें मेक्सिको में अपनी लॉन्च साइट पर लौटना पड़ा। अमेरिकी अटॉर्नी एडम गॉर्डन ने कहा, 'आज की सजा इंसानी जिंदगी से ऊपर लालच को रखने के गंभीर नतीजे दिखाती है।' रोड्रिगेज और जुनिगा ने 14 अप्रैल को अपना अपराध कबूल किया था। उन पर अवैध रूप से लोगों को लाने की कोशिश करने के आरोप थे, जिसके कारण मौतें हुईं।

ट्रंप ने हेगसेथ का किया बचाव, कहा- ईरान और वेनेजुएला में जीते दो युद्ध, अब महाभियोग की बात क्यों?

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ का आलोचना और महाभियोग की बातों के खिलाफ बचाव किया। उन्होंने ईरान और वेनेजुएला में सैन्य जीत का दावा किया, साथ ही यह भी माना कि ऊर्जा की कीमतों को लेकर चिंता उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। व्हाइट हाउस में एक अचानक बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने हेगसेथ को अभियानों का निर्देशन करने का श्रेय दिया और तर्क दिया कि उन्हें उन अभियानों पर कार्रवाई का सामना नहीं करना चाहिए, जिन्हें राष्ट्रपति ने सफल बताया। ट्रंप ने कहा, 'मैं यह कहता हूं, पीट हेगसेथ ने दो युद्ध जीते, और अब लोग कह रहे हैं कि चलो उन पर महाभियोग लगाते हैं।' ट्रंप ने वेनेजुएला ऑपरेशन को 48 मिनट तक चलने वाला बताया और दावा किया कि इसमें कोई मारा नहीं गया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को वहां से बड़ी मात्रा में तेल आपूर्ति मिल रही है और वहां अपनी भागीदारी से पैसा कमा रहा है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि हेगसेथ ने युद्ध जीत लिया है, फिर बाद में कहा कि अभियान अभी भी जीत की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप ने कहा कि ईरान एक समझौता चाहता है और दावा किया कि उसकी नौसेना और वायु सेना नष्ट हो गई है। उन्होंने किसी समझौते के लिए प्रस्तावित शर्तें नहीं बताईं और न ही बातचीत के लिए कोई समय-सीमा दी। उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने को अभियान का मुख्य लाभ बताया। लेकिन उन्होंने माना कि मतदाताओं की ऊर्जा की कीमतों को लेकर चिंता राजनीतिक कीमत वसूल सकती है। ट्रंप ने कहा, 'अब, अल्पावधि में, शायद मेरे लिए बुरा है क्योंकि लोग थोड़ी कम ऊर्जा लागत चाहते हैं। हम इसे वापस नीचे ले आएंगे।' ट्रंप ने यह नहीं बताया कि कीमतें कब गिरेंगी या उनकी सरकार उन्हें नीचे लाने के लिए क्या कदम उठाएगी। हेगसेथ का उनका बचाव काफी हद तक पहले के अमेरिकी युद्धों से तुलना पर आधारित था। उन्होंने वियतनाम, अफगानिस्तान और इराक में परिणामों की आलोचना की और तर्क दिया कि उन संघर्षों में बिना कोई सार्थक लाभ हासिल किए भारी नुकसान हुआ था। ट्रंप ने यह भी सवाल उठाया कि पिछली सैन्य विफलताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को जवाबदेही की समान मांगों का सामना क्यों नहीं करना पड़ा। उन्होंने बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी का जिक्र किया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे गायब हो गए थे।

ईयू रिपोर्ट- फ्रांस प्रदर्शनों में रूस-इजराइल-अमेरिका का दखल

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के बीच सोशल मीडिया पर फर्जी पोस्ट और वीडियो फैलाए गए। यूरोपीय संघ की एक आंतरिक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस से जुड़े नेटवर्क ने प्रवासियों के खिलाफ नफरत फैलाकर लोगों को भड़काने की कोशिश की। इसके अलावा इजराइल और अमेरिका के 'मागा' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन से जुड़े अकाउंट्स ने भी प्रदर्शन से जुड़ी गलत जानकारियां फैलाईं।

इनका मकसद फ्रांस सरकार को कमजोर दिखाना था। हालांकि, इन नेटवर्क ने प्रदर्शन शुरू नहीं कराए, बल्कि पहले से चल रहे विरोध का फायदा उठाया। देश में आतंकी हमले होने के झूठे दावे फैलाए रूस से जुड़े नेटवर्क ने सोशल मीडिया पर कई झूठे दावे फैलाए। इनमें कहा गया कि प्रवासी प्रदर्शनकारियों के साथ दुष्कर्म कर रहे हैं और देश में आतंकी हमले हो सकते हैं। इन पोस्ट के जरिए लोगों में डर और प्रवासियों के खिलाफ गुस्सा पैदा करने की कोशिश की गई। फ्रांस के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 16 से 18 अक्टूबर के बीच रूस समर्थक समूहों के सबसे ज्यादा देखे गए 10 पोस्ट को 28 लाख बार देखा गया।

इसी दौरान अमेरिका के 'मागा' आंदोलन से जुड़े लोगों के 10 सबसे ज्यादा देखे गए पोस्ट को 4.9 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया। वहीं, इजराइली अधिकारियों, सरकारी अकाउंट्स और प्रभावशाली लोगों के ऐसे ही 10 पोस्ट को 3.5 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया।

मागा यानी 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अमेरिका का दक्षिणपंथी आंदोलन है, जो राष्ट्रपति ट्रम्प और उनकी राजनीति का समर्थन करता है।

फ्रांस के पीएम ने श्रमिक संगठनों के साथ बैठक की फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने लगातार हो रहे प्रदर्शनों के बीच सोमवार को



उद्योग संगठनों और श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बैठक में लोगों की खरीदने की ताकत बढ़ाने और वेतन से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई। सरकार न्यूनतम वेतन में एक बार फिर बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। इसका मकसद महंगाई से परेशान लोगों को राहत देना है। फ्रांस से शुरू हुए प्रदर्शन 31 देशों तक पहुंचे दुनिया भर में हिंसा और विरोध प्रदर्शनों पर नजर रखने वाली संस्था एक्लेड के आंकड़ों के मुताबिक, 15 सितंबर से 30 अक्टूबर के बीच यूरोप के 31 देशों में महंगाई और शिक्षा व्यवस्था को लेकर 1700 से ज्यादा प्रदर्शन हुए। इनकी शुरुआत फ्रांस से हुई थी। फ्रांस में महंगाई और शिक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतरा। इसके बाद यह विरोध स्पेन और इटली जैसे देशों में भी फैल गया। यहां हजारों लोगों ने महंगे घरों और रोजमर्रा की चीजों की बढ़ती कीमतों के खिलाफ प्रदर्शन किया। यानी लोगों की आर्थिक परेशानियां अब कई देशों में सरकारों के लिए चुनौती बन रही हैं। स्पेन समेत 5 देशों में और तेज हो सकते हैं प्रदर्शन यूरोप के कई देशों में आने वाले दिनों में विरोध बढ़ने के आसार हैं। स्पेन में ट्रेड यूनियनों ने 11 नवंबर को हड़ताल रखी है। वहीं, इटली के सबसे बड़े श्रमिक संगठन ने महंगाई के खिलाफ 20 नवंबर को देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। इसके अलावा जर्मनी, पुर्तगाल और अल्बानिया में भी प्रदर्शन तेज हो सकते हैं।

अमेरिका को मजबूत औद्योगिक आधार की जरूरत, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम हो: जेडी वेंस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने महत्वपूर्ण पुर्जों के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) को मजबूत करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने आपूर्ति से जुड़े जोखिमों को बढ़ाया था। साथ ही, उन्होंने पूर्व सैनिकों के स्वामित्व वाले अमेरिकी व्यवसायों के लिए अधिक फंडिंग देने का वादा किया। 'नेशनल वेटरन्स स्मॉल बिजनेस वीक' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेडी वेंस ने छोटे उद्यमों के समर्थन को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को एक ऐसे औद्योगिक आधार की जरूरत है, जो उसके सैनिकों को जरूरी चीजें मुहैया करा सके और आर्थिक विकास को बनाए रख सके। वेंस ने कहा कि देश ने दशकों तक इस बात पर बहुत कम ध्यान दिया कि सामान कहां बन रहा है। उन्होंने कहा कि व्यवसायों और नीति-निर्माताओं ने उत्पादों को उनके बनने की जगह से अधिक जरूरी समझा।

उपराष्ट्रपति ने मेक्सिको, चीन और अपने गृहनगर मिडिलटाउन, ओहियो का उदाहरण देते हुए बताया कि इस तरीके में घरेलू उत्पादन के महत्व को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कोविड के दौरान हम सभी ने यह सबक सीखा और सच कहूं तो, हमें यह सबक उससे बहुत पहले ही सीख लेना चाहिए था कि कभी-कभी जब आप महत्वपूर्ण पुर्जों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर होते हैं, तो जरूरत के समय वे हमेशा उपलब्ध नहीं होते।'

वेंस ने कहा कि प्रशासन इस साल पूर्व सैनिकों के स्वामित्व वाले छोटे व्यवसायों को समर्थन देने के लिए करोड़ों डॉलर देगा और आने वाले कुछ वर्षों में यह मदद अरबों डॉलर तक पहुंच सकती है। वेंस ने कहा, 'उनका मानना ??है कि केली लोफ्लर के नेतृत्व में 'स्मॉल बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन' के जरिए पूर्व सैनिकों से जुड़े छोटे व्यवसायों को पहले ही 1.3 अरब डॉलर दिए जा चुके हैं।' हालांकि, उन्होंने इस आंकड़े के लिए कोई समय-सीमा या विस्तृत विवरण नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि इस मदद से व्यवसायों के पास कर्मचारियों को काम पर रखने, उन्हें प्रशिक्षित करने और अपने उत्पादों का विस्तार करने के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा। वेंस ने कहा, 'आप लोग कई मायनों में अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।'

वेंस ने सैन्य आपूर्ति श्रृंखलाओं में छोटे व्यवसायों के योगदान का जिक्र किया और 'पैट्रियट मिसाइलों' में उनकी भागीदारी का उदाहरण दिया। उन्होंने यह भी बताया कि 1,200 छोटे व्यवसायों ने अमेरिकी सैनिकों के लिए 'साइडआर्म्स' विकसित करने में मदद की है।

उन्होंने तर्क दिया कि ये कंपनियां यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि सैन्य कर्मियों के पास ऐसे भरोसेमंद हथियार हों, जिन्हें उनके ही देशवासियों, जिनमें पूर्व सैनिक भी शामिल हैं, ने बनाया हो। उन्होंने कहा कि इन व्यवसायों का समर्थन करना सिर्फ नौकरियों



या आर्थिक उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उससे कहीं बढ़कर है।

वेंस ने पूर्व सैनिकों के स्वामित्व वाले व्यवसायों का समर्थन करने के लिए लोफ्लर और जेपी मॉर्गन चेस को धन्यवाद दिया। उनका परिचय देते हुए, लोफ्लर ने मरीन कॉर्प्स में उनकी सेवा और व्यावसायिक अनुभव का जिक्र किया।

इसी अनुभव का हवाला देते हुए, वेंस ने बताया कि राजनीति में आने से पहले उन्होंने सिनसिनाटी में एक टेक्नोलॉजी इन्वेस्टर के तौर पर काम किया था। उनकी फर्म ने युवा टेक्नोलॉजी कंपनियों को सपोर्ट किया, जिनमें अनुभवी लोगों के स्वामित्व वाले व्यवसाय और हथियारों की सप्लाई चेन में योगदान देने वाली कंपनियां शामिल थीं।

उन्होंने छोटे व्यवसायों के लिए दी जाने वाली सहायता में होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए लोफ्लर के प्रयासों की भी तारीफ की। वेंस ने दावा किया कि महामारी के दौर में फंड जारी होने के बाद धोखाधड़ी में भारी बढ़ोतरी हुई, जिससे असली कंपनियों का पैसा गलत हाथों में चला गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन जांच प्रक्रिया को सख्त कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एसबीए लोन के लिए आवेदन करने वाले लोग इसके योग्य हैं। उन्होंने इन प्रयासों से हुई रिकवरी या बचत के बारे में कोई आंकड़े नहीं दिए।

वेंस ने व्यवसाय मालिकों और कांग्रेस के नेताओं से आग्रह किया कि वे सरकारी सहायता में मौजूद कमियों की पहचान करने में मदद करें। उन्होंने कहा, 'हमें बताएं कि हम अपने समुदायों में पूर्व सैनिकों की ओर से संचालित छोटे व्यवसायों को बेहतर तरीके से कैसे सपोर्ट कर सकते हैं।' इसके साथ ही, उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रशासन चाहता है कि कंपनियां अपना विस्तार करें, नए लोगों को काम पर रखें और नए उत्पाद विकसित करें, साथ ही देश की आवश्यक वस्तुओं के निर्माण की क्षमता को भी मजबूत करें।

नारियल तेल के फायदे

नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, नारियल का तेल है

सर्दियों में सभी महिलाएं त्वचा को रुखेपन से बचाने के लिए मॉइश्चराइजर खरीदती हैं पर अगर आप इसकी जगह नारियल का तेल इस्तेमाल करें तो भी आपको पूरा लाभ मिलेगा क्योंकि ये प्राकृतिक रुप से मॉइश्चराइजर का काम करता है। नारियल का तेल कई गुणों से भरपूर होता है। त्वचा संबंधी कई रोगों के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं नारियल का तेल सेहत को किस तरह से फायदा पहुंचाता है। नारियल तेल के इस्तेमाल से कई फायदे होते हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढ़ियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है। सेहत के साथ-साथ नारियल का तेल त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए भी सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है।

नारियल तेल के फायदे

तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी सहायक



नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है। इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठों पर लगाया जा सकता है।

नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर की मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि यह खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होती है।

नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।

गर्भवती महिलाएं तनाव से बचें

अगर आप गर्भवती हैं तो किसी प्रकार का तनाव न लें। एक अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्भावस्था के दौरान ज्यादा तनाव में रहने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि गर्भावस्था के दौरान तनाव लेने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा 42 फीसदी बढ़ जाता है। इससे पहले हुए अध्ययन की रिपोर्ट में यह पाया गया था कि 24 सप्ताह की गर्भवती में होने वाले गर्भपात में 20 फीसदी मामले तनाव के कारण होते हैं।

दोबारा अध्ययन के बाद यह पाया गया कि आंकड़ें इससे कहीं ज्यादा हैं क्योंकि गर्भपात के कई मामले दर्ज ही नहीं होते।

यही नहीं अध्ययन की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया कि युवा होते ही तनाव और अवसाद का सामना करने वाले लोगों को आगे के जीवन में बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है!

गर्भावस्थ में काम का ज्यादा तनाव न लें

गर्भावस्था के दौरान काम का बहुत ज्यादा तनाव न लें। अपनी प्राथमिकताएं थोड़ी कम करें और दोस्तों या रिश्तेदारों से मदद लेने में संकोच न करें।

घर का काम कम करें और उस समय का इस्तेमाल आप किताब पढ़ने और आराम करने में कर सकती हैं।

अगर कामकाजी हैं तो ऑफिस में सिक लीव या अपनी छुट्टिदयों का भरपूर लाभ लें।

लंबी सांस लें और छोड़ें, योग करें या स्ट्रेचिंग करें।

अगर स्वीमिंग आती है तो स्वीमिंग करें या वॉक करें।

हेल्दी खाएं. संतुलित आहार आपके शरीर और मानसिक सेहत दोनों को ठीक रखेगा।

रात में जल्दी सो जाएं क्योंकि इससे आपके गर्भ में पल रहे बच्चों को विकास के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

दूसरों की सुनें पर दिल से न लगाएं। गर्भावस्था के दौरान लोग खूब कहानियां सुनाते हैं, उन्हें सुनें जरूर, पर ज्यादा ध्यान न दें। कुछ लोगों को गर्भावस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ऐसा आपके साथ भी हो, कोई जरूरी तो नहीं।

अगर आपको लगता है कि आप तनाव में हैं और आपका तनाव कम नहीं हो पा रहा है तो अपने डॉक्टर से बात करें।





कम बजट में शानदार हनीमून!

भारत के ये 6 डेस्टिनेशन जहां ट्रिप बनेगी बेहद यादगार

भारत में हनीमून की योजना बना रहे कपल्स के लिए यह लेख 6 आकर्षक डेस्टिनेशन सुझाता है, जहां वे अपनी शादी के बाद बेहतरीन पल बिता सकते हैं। गोवा के सुनहरे समुद्र तटों से लेकर शिमला और मनाली की बर्फीली वादियों तक, ये गंतव्य शांति, प्राकृतिक सुंदरता और एडवेंचर का अनोखा संगम प्रदान करते हैं, जो कम बजट में भी शानदार ट्रिप सुनिश्चित करते हैं।

भारत में शादियों का सीजन शुरु हो चुका है। शादी के बाद कपल्स का हनीमून पर जरुर जाते हैं। अगर आप भारत में हनीमून के लिए डेस्टिनेशन खोज रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे भी भारत में घूमने-फिरने की जगहों की भरमार है। यहां आपको एक से बढ़कर एक एडवेंचर, रोमांटिक जगहें, जहां आप पार्टनर संग घूमने जा सकते हैं। इस लेख में हम आपको भारत में ही हनीमून प्लान करने के लिए कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन्स के बारे बताने जा रहे हैं। इन जगहों पर आपको सुकून, शांति मिलेगी और कम बजट में ट्रिप भी शानदार बन जाएगी।

गोवा

भारत की सबसे फेवरेट हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है गोवा। यहां की बीच लाइफ एक्सपीरियंस सबसे शानदार होता है। गोवा के बीच के किनारे आप पत्नी संग रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा, गोवा की नाइट लाइफ पार्टी को एन्जॉय करने का एक अलग ही मजा होता है। यहां पर घूमने के लिए कैलेंगुट बीच, अंजुना बीच, बागा बीच, बागाटोर बीच, सिंकेरियन बीच, पालोलेम बीच। गोवा में घूमने के लिए ज्यादा पैसा खर्च नहीं होता है। पहले ही होटल बुकिंग कर लें, वरना बाद में महंगी हो जाती है।

शिमला

यदि आपका पहाड़ पर घूमने का प्लान हैं, तो आप शिमला घूमने जरुर जाएं। शिमला में देवदार, चीड़ और माजू के जंगलों में आप घूम सकते हैं। बर्फीले घाटियां और सुंदर नजारे आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। हनीमून के लिए शिमला घूमना एक परफेक्ट डेस्टिनेशन में से एक है।

मनाली

हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत शहर है मनाली। यह जगह हनीमून डेस्टिनेशन के लिए सबसे बढ़िया है। यहां आप सुंदर सी बर्फीली वादियां देख सकते हैं। मनाली में हनीमून मनाना सबसे यादगार हो सकता है। मनाली में दिसंबर-जनवरी के महीने में स्नोफॉल का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां आप ट्रेकिंग, स्नो स्कीइंग का तुत्फ उठा सकते हैं।

दार्जिलिंग

क्वीन ऑफ हील्स दार्जिलिंग को कहा जाता है। हनीमून के लिए यह जगह बेहद ही रोमांटिक है। यहां पर चाय के बागन,बर्फ से ढके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कल-कल करते झरने देखकर आप इस जगह में खो जाएंगे। कम बजट के अंदर है यह एक शानदार हनीमून की जगह हो सकती है।

श्रीनगर

हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिशन है श्रीनगर। कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर सुंदर नजारे और घाटियों के लिए जाना जाता है। यहां पर मुख्य आकर्षण केंद्र है डल झील। यहां पर आप मुगल गार्डन, झीलें, सुंदर घाटियों में घूम सकते हैं। यह जगह हनीमून के लिए परफेक्ट है।

माउंट आबू

राजस्थान का स्वर्ग कहा जाने वाल माउंट आबू, हनीमून के लिए एकदम परफेक्ट जगह है। यदि आप भारत में हनीमून के लिए नई जगह पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू का प्लान जरुर बनाएं। यहां पर आप वाइल्ड लाइफ का मजा ले सकते हैं। यहां पर आप तरह-तरह के पक्षियां, जानवर देखने को मिलेंगे। पहाड़ों पर घूमने या ट्रेकिंग का प्लान कर सकते हैं।

सपनों का हनीमून!

बिना वीजा के इन जगहों पर बिताएं जिंदगी के सबसे रोमांटिक पल



हनीमून हर नवविवाहित जोड़े के जीवन का सबसे खूबसूरत समय होता है, जिसे खास जगह पर बिताना हर किसी का सपना होता है। दुनिया में कई ऐसी रोमांटिक डेस्टिनेशंस हैं जो हनीमून के लिए परफेक्ट मानी जाती हैं। मालदीव अपने शांत समुद्र, वॉटर विला और प्राइवेट बीच के लिए मशहूर है। दुनिया में ऐसी के बीच वाले देश हैं जो वीजा-फ्री है, जहां आप अपने पल को सुकून से बिता सकते हैं। मॉरीशस सुंदर बीच और नेचर के कारण रोमांटिक माहौल प्रदान करता है। मॉरीशस और सेशेल्स भी अपने लग्जरी रिसॉर्ट्स और नीले समुद्र के लिए लोकप्रिय हैं। हनीमून को खास बनाने के लिए आप इन जगहों पर घूमने जरुर जाएं। ये सभी जगहें कपल्स को सुकून, रोमांस और यादगार पलों से भरा अनुभव देंगी।

मालदीव

नवविवाहित कपल्स के लिए मालदीव सबसे बेस्ट जगहों में से एक है। हनीमून के लिए यह बेस्ट डेस्टिनेशन है, जो कि वीजा-फ्री है। यहां के ओवरवॉटर विला, क्लिर ब्लू पानी और रंग-बिरंगी मछलियां किसी स्वर्ग से कम नहीं है। मालदीव में प्राइवेट रिसॉर्ट्स दीपों के लिए जाना जाता है। शाम के समय समुद्र किनारे कैंडललाइट डिनर, कपल स्पा और सनसेट क्रूज आपकी यादों को हमेशा यादगार बना देंगा।

मॉरीशस

मॉरीशस सुंदर बीच, हरे-भरे जंगलों और विविध संस्कृति के लिए जाना जाता है। कपल्स यहां पर ले मॉर्न ब्राबांट, चमरेल की सेवन कलर्ड अर्थ और पाम्पलमूस बोटैनिकस गार्डन देख सकते हैं। यदि आप एडवेंचर का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो स्कूबा डाइविंग, सेलिंग या ट्रेकिंग का मजा ले सकते हैं। यहां आप हनीमून को शानदार तरीके से एन्जॉय कर सकते हैं।

सेशेल्स

एक शांत और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है सेशेल्स, यहां पर सफेद रेत वाले बीच और नीले पानी की लहरें कपल्स को अट्रैक्ट करेगी। यहां के लोकप्रिय स्थानों में अन्से लाजियो बीच और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट डे शामिल है। कपल्स यहां पर प्राइवेट यॉट में सफर कर सकते हैं।

अल्माटी

अल्माटी कजाखस्तान का सबसे बड़ा और खूबसूरत शहर है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आधुनिकता के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर बर्फ से ढके पहाड़ों, झीलों और हरियाली से घिरा हुआ है। अल्माटी कभी देश की राजधानी था और आज भी इसका सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र माना जाता है। यहां का मेदेओ आइस स्केटिंग रिंक, शिम्बुलक स्की रिसॉर्ट और बिग अल्माटी लेक प्रमुख आकर्षण हैं। अपनी शांत जलवायु और सुंदर दृश्यों के कारण यह हनीमून और पर्यटन के लिए सबसे बेस्ट डेस्टिनेशन है।

फिजी

हनीमून के लिए फिजी एक शानदार डेस्टिनेशन है। फिजी नेचुरल खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यहां के साफ बीच, कोरल रीफ और हरियाली से भरे जंगल न्यूली वेड कपल के लिए शानदार है। यहां पर आफ डाइविंग, स्नॉर्कलिंग और हाइकिंग कर सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए परफेक्ट वीकेंड स्पॉट! भरतपुर नेशनल पार्क दिलाएगा सुकून

अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं और वीकेंड ट्रिप पर जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। भागदौड़ भरी जिंदगी से परेशान होकर लोग कुछ समय के लिए सुकून की तलाश करते हैं। रोजाना 9 टू 5 जॉब करके हम सभी का माइंड और बॉडी दोनों ही थक जाती है। अगर आप वीकेंड पर फैमिली और दोस्तों के साथ समय सुकून बिताना चाहते हैं, तो आप भरतपुर बर्ड सेंचुरी एक्सप्लोर करने जरुर जाएं। यहां पर आपको जंगलों के बीच पक्षियों का सुंदर नजारा और एकांत व सुकून का माहौल देखने को मिलेगा।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी जाने का समय

आपको बता दें कि, भरतपुर बर्ड सेंचुरी का असली नाम केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है। जो कि भरतपुर जिला राजस्थान में बना हुआ है। वीकेंड के दौरान दिल्ली के आसपास जगहों के लिए ये नेशनल पार्क टॉप पर रहता है। अक्टूबर से लेकर मार्च तक महीने तक यहां समय बीतना बेहद ही खास होता है। इस समय यहां पर लोकल बर्ड के अलावा माइग्रेटेड पक्षी भी आते हैं। यह समय जाने के लिए सबसे बेस्ट है।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी में देखने के लिए क्या-क्या है?

यहां पर आपको प्रवासी पक्षियों में से साइबेरियन सारस, बार हेडेड गीज, पेलिकन और पेंटेड स्टार्क आते हैं। इसके अलावा, लोकल पक्षियों की ढेर सारी वैराइटी भी देखने को मिलती है। पक्षियों के अतिरिक्त, यहां पर अजगर, मॉनिटर छिपकलियां, कुछ वाइल्ड कैट, गोल्डन सियार, जंगली सुअर, सांभर, हिरण, चितल हिरण भी देखने को मिल जाएंगे। यहां आप कई सारे कछुओं की वैराइटी देख सकते हैं।

भरतपुर में इन जगहों पर घूमें

भरतपुर नेशनल पार्क के अलावा आप यहां पर लोहागढ़ फोर्ट भी टूरिस्ट प्लेस पर घूमने जा सकते हैं। बांके बिहारी मंदिर, भरतपुर पैलेस और म्यूजियम की सैर कर सकते हैं। भरतपुर में लोकप्रिय गंगा मंदिर अपने अनोखे इतिहास के लिए जाना जाता है। यह लगभग 90 साल पुराना है। यहां पर लक्ष्मण मंदिर और गर्वनमेंट म्यूजियम भी देखने के लिए टूरिस्ट जाते हैं।

कैसे पहुंचे भरतपुर

बता दें कि, भरतपुर रेलवे स्टेशन सभी प्रमुख स्टेशनों से पूरी तरह से कनेक्टेड है। दिल्ली से आप भरतपुर ट्रेन पकड़ सकते हैं। दिल्ली से आप बस या फिर प्राइवेट कैब से भी जा सकते हैं। ढाई घंटे में आप यहां आराम से पहुंच जाएंगे।



वन्य जीवों की आवाजाही रोकने के लिए ऊर्जा बाड़ का काम शुरू



डोईवाला। माजरी ग्रांट ग्राम पंचायत के वार्ड तीन लालतप्पड़ क्षेत्र में वन विभाग ने ऊर्जा बाड़ लगाने का काम शुरू करा दिया है। एक किमी लंबी ऊर्जा बाड़ वन्यजीवों को आबादी में आने से रोकने में कारगार होगी।बड़कोट वन रेंज अंतर्गत माजरी ग्रांट ग्राम पंचायत के वार्ड तीन लालतप्पड़ रिहायशी इलाकों में लंबे समय से वन्य जीवों की आवाजाही ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ था। वन सीमा के नजदीक क्षेत्र होने से ग्रामीण रात में घरों में से बाहर निकलने में डर रहे थे। ग्राम प्रधान निशा देवी और उपप्रधान गुरजीत कौर लंबे समय से वन विभाग से लालतप्पड़ में ऊर्जा बाड़ की मांग कर रहे थे। वन विभाग की ओर से अब इस संबंध में काम शुरू किया गया है। किसान अजीत सिंह प्रिंस ने बताया कि जंगली हाथी और गुलदार जैसे हिंसक वन्य जीवों का आवागमन बढ़ने से ग्रामीणों को जान–माल के नुकसान का भय सता रहा था। किसानों को भी दिक्कतें आ रही थी। ग्रामीणों को उम्मीद है कि ऊर्जा बाड़ लगने से जंगली जानवरों की रिहायशी इलाकों में आवाजाही कम होगी और किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान पर भी अंकुश लगेगा। बडकोट रेंज अधिकारी गणेश उनियाल ने बताया कि एक किमी लंबी ऊर्जा बाड़ लगाने के लिए काम शुरू हो गया है।

पर्यटन विभाग की जमीन पर कब्जे का आरोप

ऋषिकेश। देहरादून रोड स्थित गोपाल नगर में सरकारी भूमि पर कब्जे और अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम के कुछ कर्मचारियों पर भू–माफियाओं से मिलीभगत कर सरकारी जमीन पर हाउस टैक्स काटने और फर्जी दस्तावेज के आधार पर दाननामा कराने में सहयोग करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने डीएम देहरादून को शिकायती पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की जांच और कार्रवाई की मांग की है।शिकायतकर्ता अधिवक्ता नेहा नेगी, सत्यपाल सिंह रावत, नवीन सकलानी, अर्जुन सिंह रावत, संजय कौशिक, दिनेश भाटिया और सोबन सिंह नेगी ने बताया की गोपाल नगर क्षेत्र की संबंधित भूमि राजस्व अभिलेखों में पहले वन विभाग के नाम दर्ज थी जो वर्तमान में पर्यटन विभाग की भूमि के रूप में दर्ज है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने इस सरकारी भूमि पर कब्जा कर नगर निगम के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज के आधार पर गृहकर कटवा लिया। इसके बाद इसी हाउस टैक्स की रसीद को आधार बनाकर उप निबंधक कार्यालय में जमीन का दाननामा भी करा दिया गया और अब संबंधित भूमि पर पक्का निर्माण कराया जा रहा है।उन्होंने एसडीएम से राजस्व विभाग, पर्यटन विभाग और नगर निगम के अभिलेखों का मिलान कर हाउस टैक्स की वैधता की जांच कराने की मांग की है। साथ ही अवैध रजिस्ट्री की जांच कर निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने और मामले में संलिप्त कर्मचारियों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अधिवक्ता नेहा नेगी ने बताया कि कई बार सीएम पोर्टल और पर्यटन विभाग को इसकी शिकायत की जा चुकी है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नही हुई।

परंपरागत तरीके से मनाया गया भाई दूज का पर्व



ऋषिकेश। कार्तिक शुक्ल द्वितीया पर तीर्थनगरी ऋषिकेश और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भाई दूज का पर्व परंपरागत उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और सुख–समृद्धि की कामना की। वहीं, भाइयों ने बहनों को उपहार भेंट कर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। पर्व पर गंगा घाटों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और बाजारों में मिठाइयों की खरीदारी के लिए रौनक रही।

सुबह से ही घरों में पर्व की चहल–पहल रही। कई परिवारों ने मां गंगा के तट पर स्नान और पूजा–अर्चना की। मान्यता के अनुसार भाई दूज पर गंगा या यमुना स्नान का विशेष पुण्य मिलता है। बाजारों में मिठाई की दुकानों पर ताजे गोले और पारंपरिक मिठाइयों की खरीदारी के लिए कतारें लगी रहीं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने भी पारंपरिक तरीके से भाई दूज मनाया। उन्होंने अपने भाई की कलाई पर कलावा बांधा और माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों को भाई दूज की शुभकामनाएं दीं।

अतिक्रमण से पुराना टिहरी बस अड्डा मार्ग पर जाम



ऋषिकेश। पुराना टिहरी बस अड्डा से केवलानंद चौक मार्ग पर अतिक्रमण और सड़क पर फैले कबाड़ से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। दुकानदारों का सामान सड़क तक फैला होने और कबाड़ी की दुकान के बाहर कबाड़ के ढेर व भारी वाहनों की लोडिंग–अनलोडिंग किए जाने से मार्ग संकरा हो गया है। इससे सुबह से शाम तक जाम की स्थिति बनी रहती है।

जाम से स्कूली बच्चों, अस्पताल जाने वाले मरीजों, तीमारदारों और पर्वतीय क्षेत्रों से आने–जाने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। त्रिवेणी घाट पर गंगा आरती में आने वाले श्रद्धालु और आश्रमों के संचालक भी इससे प्रभावित हैं। स्थानीय निवासी मंगल सिंह ने बताया कि सड़क पर अतिक्रमण और ओवरलोड ट्रकों की आवाजाही से दो वाहनों का एक साथ निकलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने जिम्मेदार विभागों से अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारु करने की मांग की है।

शतावरी के प्रति जागरूक किया

अगस्त्यमुनि। ग्रामीण क्षेत्रों में औषधीय पौधों के संरक्षण, संवर्धन एवं उनके स्वास्थ्य संबंधी महत्व के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोसायटी फॉर माउंटेन एप्रोप्रियेट रिसोर्स डेवलपमेंट रुद्रप्रयाग ने अगस्त्यमुनि मेले में शतावरी जन–जागरूकता अभियान के तहत शिविर एवं प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया। यहां किसानों, महिलाओं, युवाओं को शतावरी के औषधीय, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्व की जानकारी दी गई।

लोगों को शतावरी के पारंपरिक आयुर्वेदिक उपयोग, वैज्ञानिक खेती की तकनीकों, पौधरोपण, संरक्षण तथा व्यावसायिक उत्पादन की संभावनाओं से अवगत कराया गया। डॉ. बीएस मंगवाल ने बताया कि शतावरी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, किसानों को प्रोत्साहित करने तथा औषधीय पौधों की खेती एवं संरक्षण को जन–अभियान का प्रयास जारी है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा खरीदने पहुंचे कांग्रेस नेता



देहरादून। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' को लेकर पाठकों में उत्सुकता देखने को मिल रही है। बुधवार को देहरादून के एश्ले हॉल चौक स्थित एक बुक सेलर के यहां किताब खरीदने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह भी किताब खरीदने पहुंचे। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष लालचंद शर्मा ने भी सोनिया गांधी की आत्मकथा खरीदी। किताब खरीदने के बाद प्रीतम सिंह ने कहा कि सोनिया गांधी के जीवन और उनके राजनीतिक सफर को समझने के लिए इस किताब को पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल राजनीतिक चश्मे से किताब के मतलब और मायने निकाल रहे हैं। किसी भी किताब को पढ़ने और समझने के लिए उसे राजनीतिक नजरिये से बाहर निकलकर देखना जरूरी है।उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी का सार्वजनिक जीवन और देश की राजनीति में उनका योगदान काफी महत्वपूर्ण रहा है। उनकी आत्मकथा के माध्यम से पाठकों को उनके जीवन के अलग–अलग पहलुओं को जानने और समझने का मौका मिलेगा। बुक स्टोर पर कांग्रेस नेताओं के पहुंचने और किताब खरीदने को लेकर भी लोगों में चर्चा रही।

संक्षिप्त समाचार

14 लाख की लूट में बजरंग दल कार्यकर्ता गिरफ्तार



देहरादून। पटेलनगर क्षेत्र में प्लॉट के सौदे के लिए ले जाए जा रहे 14 लाख रुपये लूटने के मामले में पुलिस ने बजरंग दल कार्यकर्ता सिद्धांत बडोनी समेत दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी घटना के बाद से गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहे थे। पुलिस ने उन्हें रुद्रप्रयाग के गुप्तकाशी से गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से लूट की रकम के 82 हजार रुपये भी बरामद हुए हैं। इस मामले में अब तक सात आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।पुलिस के अनुसार, सात नवंबर को राजेश कुमार सोनी अपने साथियों दिनेश तिवारी, ओमकार और गुरविंदर के साथ प्लॉट के सौदे के सिलसिले में 14 लाख रुपये लेकर जा रहे थे। इसी दौरान इंद्रेश अस्पताल के पास कुछ युवकों ने उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और रुपयों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। राजेश की शिकायत पर पटेलनगर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

तीर्थनगरी में फिर उठने लगी स्टेडियम निर्माण की मांग

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में सार्वजनिक खेल मैदान, स्टेडियम और पार्क निर्माण की मांग एक बार फिर उठी है। बीते मंगलवार को चंद्रेश्वर नगर में आयोजित रजत जयंती कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पूर्व पार्षद शिव कुमार गौतम के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मांगपत्र सौंपा मांगपत्र में कहा गया कि शहर में बच्चों के खेलने, बुजुर्गों के टहलने और युवाओं के व्यायाम के लिए कोई सार्वजनिक मैदान, स्टेडियम या पार्क उपलब्ध नहीं है। वहीं, शहर की विभिन्न धर्मशालाओं और धार्मिक ट्रस्टों के पास लीज व स्वयं की कई एकड़ भूमि खाली पड़ी है, जिसका उपयोग नहीं हो रहा और धीरे–धीरे उस पर अतिक्रमण व खुर्द–बुर्द होने का खतरा है।जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से धार्मिक ट्रस्टों से वार्ता कर समाजहित में भूमि उपलब्ध कराने और उस पर स्टेडियम व पार्क निर्माण कराने की मांग की। उनका कहना है कि इससे स्थानीय बच्चों, बुजुर्गों और नागरिकों को सुविधा मिलने के साथ ही खेल प्रतिभाओं को भी बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

26 साल बाद भी भाषा संस्थान को नहीं मिला स्थायी ठिकाना

देहरादून। उत्तराखंड राज्य गठन के 26 साल बाद भी उत्तराखंड भाषा संस्थान को स्थायी मुख्यालय के लिए जमीन नहीं मिल पाई है। कभी गैरसैंण में संस्थान का मुख्यालय बनाने की घोषणा हुई थी लेकिन यह योजना धरातल पर नहीं उतर सकती। अब सरकार देहरादून में ही संस्थान के लिए जमीन तलाश रही है। स्थिति यह है कि संस्थान फिलहाल राजपुर रोड स्थित निजी अस्थायी भवन में चल रहा है, और उसे भी खाली करने के निर्देश दिए गए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने तत्कालीन समय में गैरसैंण में भाषा संस्थान का मुख्यालय बनाने की घोषणा की थी। इससे उम्मीद जगी थी कि राज्य की भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए गठित संस्थान को पहाड़ में स्थायी ठिकाना मिलेगा। हालांकि, समय बीतने के साथ यह घोषणा फाइलों तक ही सीमित रह गई और मुख्यालय की स्थापना नहीं हो सकी।

छठ पर्व के लिए बाजारों में बढ़ी रौनक



ऋषिकेश। महापर्व छठ के लिए तीर्थनगरी के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। बिहार और पूर्वांचल की महिलाओं ने पर्व की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सुबह से ही घाट रोड, क्षेत्र रोड, लाजपत राय बाजार, मेन बाजार, मुखर्जी मार्ग, रेलवे रोड और आसपास के बाजारों में महिलाएं परिवार के साथ पहुंचकर पारंपरिक परिधानों की खरीदारी कर रही हैं।

स्थानीय क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण इलाकों से महिलाएं बाजारों का रुख कर रही हैं। छठ पर्व पर नए वस्त्र पहनने की परंपरा के चलते कपड़ों की दुकानों पर महिलाओं की खरीदारी के लिए भीड़ देखने को मिल रही है। व्रत रखने वालीं महिलाएं सूर्यास्त के समय सूर्य को अर्घ्य देने और अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए अलग–अलग पारंपरिक परिधानों की खरीदारी कर रही हैं। इसके साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी नए कपड़े खरीदे जा रहे हैं। कपड़ा व्यापारी बलराम अरोड़ा, वेद प्रकाश, सूरज प्रकाश और पप्पू शाह ने बताया कि दीपावली के छह दिन बाद मनाए जाने वाले छठ पर्व के लिए दीपावली के अगले दिन से ही महिलाओं ने खरीदारी शुरू कर दी है। इस बार प्रिंट नेट, डोरा सिल्क, प्लेन साटन, नेट, जॉर्जेट, बंधनी और शिफॉन धागा वर्क के साथ ही चिनॉन सिल्क हैंडवर्क साड़ियों की मांग अधिक है। व्यापारियों के अनुसार छठ पर्व पर पारंपरिक वेशभूषा का विशेष महत्व होने के कारण महिलाएं साड़ियों के रंग, डिजाइन और कढ़ाई पर विशेष ध्यान दे रही हैं। पर्व नजदीक आने के साथ बाजारों में खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है।

अब चुनावी रण में उतरेंगे भाजपा के बड़े नेता



देहरादून। उत्तराखंड के चुनावी रण में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंकने का रोडमैप तैयार कर लिया है। देहरादून के परेड ग्राउंड में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जनसभा और कार्यकर्ताओं में भरे गए जोश के तुरंत बाद भाजपा हाईकमान ने प्रदेश के लिए एक आक्रामक चुनावी रणनीति को अंतिम रूप दिया है।

शाह के सियासी संदेश के बाद अब पार्टी अपने शीर्ष नेतृत्व और अन्य राज्यों के कद्दावर नेताओं को देवभूमि के अलग–अलग क्षेत्रों में उतारने जा रही है। इस विशेष प्रचार अभियान का आगाज बृहस्पतिवार को ऊधम सिंह नगर जिले के खटीमा से होने जा रहा है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव खटीमा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रभाव वाले तराई क्षेत्र खटीमा में मोहन यादव की जनसभा के जरिये पार्टी न केवल स्थानीय समीकरणों को साधेगी, बल्कि सीमावर्ती इलाकों में चुनावी माहौल को एकतरफा करने का प्रयास करेगी।

16 से स्व–गणना, दिसंबर में घर पहुंचेंगे कर्मचारी

देहरादून। जनगणना–2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के तहत जिले में जनगणना की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित की जाएगी। इसके अंतर्गत 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक स्व–गणना की व्यवस्था रहेगी। इस दौरान आम नागरिक स्वयं अपनी और अपने परिवार से संबंधित आवश्यक जानकारियां जनगणना प्रक्रिया के तहत दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी 2027 तक जनगणना कार्मिक घर–घर जाकर जनगणना का कार्य संपन्न करेंगे।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी कृष्ण कुमार मिश्रा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना के द्वितीय चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनगणना की प्रक्रिया और स्व–गणना के महत्व के संबंध में आमजन को जागरूक किया जाए। इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक नागरिक निर्धारित अवधि में स्व–गणना प्रक्रिया में भागीदारी कर सकें। उन्होंने आमजन से जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील की, ताकि जिले में जनगणना का कार्य पारदर्शी, व्यवस्थित और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जा सके।

अंकिता भंडारी केस से ध्यान भटकाने को भाजपा कर रही षड्यंत्र- हरक सिंह



देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. हरक सिंह रावत ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड और उसमें शामिल कथित वीआईपी के मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा वर्षों पुराने जेनी प्रकरण को राजनीतिक हथियार बना रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी अंकिता को न्याय मिलने और कथित वीआईपी को सजा होने तक यह लड़ाई जारी रखेगी।हरक ने मीडिया से बातचीत और अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कहा कि भाजपा एक सुनियोजित साजिश के तहत उनके खिलाफ पुराने और निराधार आरोप उछाल रही है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2003 में, जब केंद्र में भाजपा की ही सरकार थी, तब सीबीआई ने इस पूरे मामले की गहन जांच की थी। उस जांच में डीएनए टेस्ट भी कराया गया था और सीबीआई की रिपोर्ट में यह साफ दर्ज है कि संबंधित पक्ष ने बार–बार झूठे बयान देकर जांच एजेंसी को गुमराह करने की कोशिश की थी। पूर्व मंत्री ने सवाल उठाया कि यदि भाजपा आज भी सीबीआई जांच और डीएनए रिपोर्ट पर सवाल खड़े कर रही है तो वह सीधे तौर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, तत्कालीन भाजपा सरकार और स्वयं सीबीआई की निष्पक्षता पर सवाल उठा रही है। उन्होंने पूछा कि क्या भाजपा यह मानती है कि उसके अपने शासनकाल में सीबीआई दबाव में काम कर रही थी? यदि ऐसा है, तो उस दौर की सभी सीबीआई जांचों की विश्वसनीयता संदिग्ध हो जाती है।हरक ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आगामी चुनावों में संभावित हार और मंत्रियों के भ्रष्टाचार से घिरी धामी सरकार असल मुद्दों से बचने के लिए यह हथकंडा अपना रही है। उन्होंने कहा कि झूठे आरोपों और राजनीतिक षड्यंत्रों से न तो अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मुहिम कमजोर होगी और न ही उनकी आवाज दबेगी। उत्तराखंड की जनता भाजपा की इस ध्यान भटकाने वाली राजनीति का जवाब देगी।

जेनी प्रकरण: 22 साल बाद भी जेनी के बेटे अंशु के जन्म प्रमाणपत्र में पिता का नाम नहीं



देहरादून। 22 साल पूर्व जन्मे जेनी के बच्चे के पिता के नाम का दावा होने से उत्तराखंड की राजनीति इस समय गर्म है। साथ ही कई अनसुलझे सवाल सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों में तैर रहे हैं। जिनका जवाब सब अपने–अपने तरीके से तलाश और समझ रहे हैं। जेनी के बच्चे अंशु का जन्म प्रमाण सामने आने के बाद इन सवालों की फेहरिस्त लंबी हो गई है। बड़ा सवाल यह है कि नगर निगम से 2004 में जारी बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में आज तक उसके पिता का नाम नहीं है। नगर निगम ने 22 जनवरी 2004 को छह महीने पूर्व जन्मे एक बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र संख्या जारी किया गया। इसमें बच्चे का जन्म स्थान महिला चिकित्सालय दून अस्पताल दिखाया गया और माता का स्थायी पता नारी निकेतन दर्ज किया गया। सूत्रों की मानें तो इसके बाद नौ अगस्त 2011 को इसी बच्चे का नाम मास्टर अंशु दर्ज कराने के लिए जेनी इन्दिरा की ओर से नगर निगम में शपथ पत्र दाखिल किया गया। शपथपत्र जेनी इन्दिरा पत्नी राजकुमार तिवारी निवासी नारी निकेतन के नाम से दिया गया। इसी आधार पर बच्चे का नाम नौ अगस्त 2011 को अंशु दर्ज कर लिया गया लेकिन पंजीकरण के करीब सात साल बाद भी पिता का नाम का दर्ज नहीं किया गया है। आज भी यह कॉलम खाली है।

बिना पिता के नाम के भी बनाया जा सकता है जन्म प्रमाण पत्र

नगर निगम की ओर से करीब 22 साल पूर्व जारी जन्म प्रमाण पत्र में आज तक बच्चे के पिता का नाम दर्ज नहीं है। ऐसे में सवाल यह भी खड़ा होता है कि क्या पिता के नाम के बिना जन्म प्रमाण पत्र बनाया जा सकता है। इस बारे में नगर निगम के जन्म–मृत्यु पंजीकरण रजिस्ट्रार के अनुसार बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने वाली माता यदि शपथ पत्र देती है और स्पष्ट रूप से कहती है कि सिर्फ माता के नाम से बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनाया जाए तो बनाया जा सकता है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा से मिलीं जेनी

देहरादून। उत्तराखंड की सियासत में इन दिनों सुर्खियां बटोर रही जेनी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात की। सीएम सरमा ने जेनी के साथ हुए प्रकरण को दुखद और निंदनीय करार दिया।

जेनी ने असम के सीएम के सामने अपने साथ हुई घटना का ब्योरा रखा। इस मुलाकात के बाद सीएम हिमंत बिस्वा ने सोशल मीडिया में एक पोस्ट की। जेनी के साथ बैठे हुए तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, मैंने असम निवासी जेनी से मुलाकात की। उत्तराखंड के एक हरक सिंह रावत ने उनके साथ जो किया वह अत्यंत गलत और निंदनीय है। उनके साथ जो अत्याचार हुआ, वैसा किसी के साथ नहीं होना चाहिए। न्याय की इस लड़ाई में मैं पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ा हुआ हूं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

पूर्व हेड कोच का टीम पर तंज

खिलाड़ियों की फिटनेस और अनुशासन को लेकर इमरान ने सवाल उठाए

नई दिल्ली। बांग्लादेश महिला टीम के पूर्व हेड कोच सरोवर इमरान ने टीम के फिटनेस स्तर और ट्रेनिंग कल्चर पर सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि खिलाड़ियों को उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकालने और ज्यादा अनुशासन लाने की उनकी कोशिशों की वजह से उन्हें अपनी भूमिका से अलग होना पड़ा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एशियन गेम्स के बाद अक्टूबर में सरोवर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने दिया और बाद में उनकी जगह डेविड हेम्प को नियुक्त किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने बीसीबी से सरोवर इमरान की शिकायत की थी और उनके तरीकों पर सवाल उठाया था। सरोवर ने पहले बांग्लादेश के एशियन गेम्स से बाहर होने के बाद ड्रेसिंग रूम में अशांति की बात कही थी, जिसके बाद बोर्ड ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने पर विचार किया। प्रस्तावित कार्रवाई को आखिरकार वापस ले लिया गया, जिसमें बीसीबी ने बांग्लादेश क्रिकेट के साथ उनके लंबे जुड़ाव को ध्यान में रखा।



सरोवर ने कहा कि बोर्ड ने उन्हें जारी रखने का फैसला करने से पहले कभी उनसे सफाई नहीं मांगी। उन्होंने कहा, एशियन गेम्स और एशिया कप के बाद बीसीबी ने मुझसे कोई बातचीत नहीं की। मुझे एक पत्र मिला कि मैं ऑस्ट्रेलिया टूर पर नहीं जा रहा हूं क्योंकि कोई दूसरा कोच जाएगा। बीसीबी के साथ मेरी बस इतनी ही बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कोचिंग का माहौल बहुत ज्यादा संतुलन बनाने वाला हो गया था, जिससे सुधार की बहुत कम गुंजाइश बची थी।महिला टीम में शामिल होने के बाद अपने अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, जहां तक मेरे गुस्से की बात है, जब मैं महिला टीम में आया, तो मैंने देखा कि गेंदबाजी कोच से लेकर स्पिन बॉलिंग कोच, बैटिंग कोच, ट्रेनर और फिजियो सभी बहुत शांत थे। वे महिला क्रिकेटरों की हर बात सुनते हैं और इस कम्फर्ट जोन में रहकर वे सुधार नहीं कर सकते। यही वजह है कि हमारी टीम आज भी वैसी ही है जैसी पांच साल पहले थी।

मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश क्रिकेट सुधर सकता है

इमरान ने कहा, एक स्पिनर 30 गेंदें फेंकने के बाद कोच से कहती है कि वह अब और गेंदबाजी नहीं करेगी और कोच मान जाता है। एक या दो बल्लेबाज पूरे दिन बल्लेबाजी करते हैं। यह सब देखने के बाद मैंने दखल देना शुरू कर दिया। मैंने उनकी फिटनेस को लेकर भी दखल दिया। उन्होंने कहा, जब मुझे उन्हें डांटने की जरूरत थी तो मैंने वैसा ही किया और अगर आप कहते हैं कि यह गुस्सा है तो मुझे नहीं लगता कि बांग्लादेश क्रिकेट सुधर सकता है। मुझे लगा कि मैं उन्हें सुधार सकता हूं और मैंने सात से आठ टूर किए और सब कुछ सिर्फ एक या दो टूर में फेल होने की वजह से खत्म हो गया। सरोवर ने इस बात को मना कर दिया कि उनकी कोचिंग स्टाइल उनके गुस्से को कंट्रोल करने में नाकामयाबी दिखाती है।

गेंद से धमाल... मिला इनाम, गुरनूर 60 स्थान चढ़े

दुबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन का असर आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भी दिखाई दिया है। तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने 60 स्थानों की लंबी छलांग लगाकर वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 48वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। अक्षर 23 और अर्शदीप 11 स्थान ऊपर चढ़े हैं। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह ने टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष-10 में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों के बाद भारतीय गेंदबाजों को फायदा हुआ है। इसमें सबसे बड़ी छलांग गुरनूर बराड़ ने लगाई। वह सात विकेट लेकर सीरीज में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके इस प्रदर्शन का असर रैंकिंग में भी दिखा और वह शीर्ष-100 से बाहर रहने के बाद 48वें स्थान पर पहुंच गए। उन्हें कुल 60 स्थानों का फायदा हुआ है।

अक्षर और अर्शदीप की रैंकिंग में भी सुधार

भारतीय स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 23 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में दूसरे वनडे में 28 रन देकर दो विकेट लेने का फायदा मिला। वहीं, अर्शदीप सिंह ने पहले वनडे में चार विकेट लेकर रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाई। वह संयुक्त रूप से 31वें नंबर पर पहुंच गए हैं। विश्व कप शुरू होने में एक साल से भी कम समय बचा है और ऐसे में भारतीय गेंदबाजों के लिए रैंकिंग में यह सुधार अहम है। 2027 का वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। जैकब डफी आठ स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 43वें और काइल जैमीसन 24 स्थान की छलांग के साथ 60वें नंबर पर पहुंच गए हैं।



आईसीसी रैंकिंग... अक्षर और अर्शदीप को भी फायदा

रहमत शाह ने रचा इतिहास, टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष-10 में पहुंचे

अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग की किसी भी श्रेणी के शीर्ष-10 में जगह बनाने वाले अपने देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शारजाह में खेले गए पहले टेस्ट में 173 रन की पारी खेलने का उन्हें फायदा मिला। वह टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में छह स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। 33 वर्षीय रहमत का यह पांचवां टेस्ट शतक था। इस साल उन्होंने दूसरी बार शतक लगाया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारतीय कप्तान शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को पीछे छोड़ दिया। अफगानिस्तान के लिए यह पखवाड़ा खास रहा है। इससे पहले टीम जिम्बाब्वे और बांग्लादेश के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज जीतने के बाद आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंची थी। यह वनडे रैंकिंग में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्थान है।

एर्विन और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को भी फायदा

जिम्बाब्वे के अनुभवी बल्लेबाज क्रेग एर्विन को भी टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है। शारजाह टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद दोहरा शतक लगाने के बाद वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 48वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के समापन के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ। वेस्टइंडीज के केवम हॉज 12 स्थान ऊपर चढ़कर 52वें और अमीर जांगू 28 स्थान की छलांग के साथ 62वें नंबर पर पहुंच गए। बांग्लादेश के तौहीद हृदोय शीर्ष-100 से बाहर रहने के बाद अब 60वें स्थान पर आ गए हैं।वेस्टइंडीज के जोमेल वॉरिकन को टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान का फायदा हुआ है। वह संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। सीरीज में शानदार प्रदर्शन के कारण टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में भी वह चार स्थान ऊपर चढ़कर 31वें नंबर पर आ गए। उनके साथी जस्टिन ग्रीव्स एक स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

नोस्कोवा ने गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन वेल्स लिंडा नोस्कोवा ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नोस्कोवा ने कोको गॉफ को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नोस्कोवा 2011 में पेट्रा क्वितोवा के बाद अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, वह 2024 में गॉफ के बाद अपने पहले दो राउंड-रॉबिन मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं और 2021 में एनेट कोंटावेइट के बाद ऐसा करने वाली पहली नंबर 8 सीड हैं। लिंडा नोस्कोवा ने पत्रकारों से कहा, मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मैं सेमीफाइनल में हूं।



अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में नंदिनी का चयन

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ की तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा को दिसंबर में होने वाले भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम इस दौरे पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को गेकेबरहा में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद तीन वनडे मुकाबले पार्ल, केपटाउन और ब्लोमफोंटेन में खेले जाएंगे। दौरे का समापन बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम में होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के साथ होगा। इस साल की शुरुआत में भी नंदिनी शर्मा ने इतिहास रचा था। वह यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) की पहली खिलाड़ी बनी थीं, जिन्हें ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारत की टेस्ट टीम में जगह मिली थी।



सहवाग गाते थे गाने, बेटा करता है 'सीता राम' का जाप

आर्यवीर ने बताया शतक का राज, यूएई के खिलाफ बनाए थे 160 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। *वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने भारत के लिए यूथ वनडे में अपना पहला शतक जड़कर खास उपलब्धि हासिल की। अंडर-19 एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ उन्होंने 160 रन की शानदार पारी खेली और भारत को जीत दिलाई। इस पारी के बाद आर्यवीर ने बताया कि बल्लेबाजी के दौरान वह अपना ध्यान भटकने से बचाने के लिए मन ही मन 'सीता राम' का जाप करते हैं।आर्यवीर ने बताया कि उनके पिता विरेंद्र सहवाग अक्सर उनसे बल्लेबाजी के मानसिक पहलुओं पर बात करते हैं। वह उन्हें वर्तमान में रहने और पारी के नतीजे के बारे में ज्यादा नहीं सोचने की सलाह देते हैं। आर्यवीर के मुताबिक, उनके पिता बल्लेबाजी करते समय गाने गुनगुनाया करते थे। इसी से उन्हें भी अपना ध्यान केंद्रित रखने का एक तरीका मिला। उन्होंने कहा, 'जब मैं अपने पिता से बल्लेबाजी के मानसिक पहलू के बारे में बात करता हूं, तो वह मुझे ऐसी बातें बताते हैं, जो वर्तमान में रहने में मदद करती हैं। वह अक्सर गाने गुनगुनाते हैं। इसलिए ध्यान को वर्तमान में बनाए रखने के लिए किसी रीसेट बटन की तरह कुछ होना चाहिए।'उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं बल्लेबाजी कर रहा होता हूं, तो मन ही मन 'सीता राम' दोहराता रहता हूं, ताकि दूसरे विचार दिमाग में न आएं। मेरा ध्यान सिर्फ गेंद पर रहता है। गेंद जहां पड़ती है, उसके हिसाब से शॉट खेलता हूं। मैं यह सोचने के बजाय गेंद पर प्रतिक्रिया देने की कोशिश करता हूं कि किसी खास स्थिति में मुझे क्या करना चाहिए या मुझे अर्धशतक बनाना है या शतक।'*



45 ओवर तक बल्लेबाजी करना था लक्ष्य

यूएई के खिलाफ मुकाबले में आर्यवीर ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की। उन्होंने नई गेंद का सामना किया और धीरे-धीरे अपनी पारी को आगे बढ़ाया। बाद में उन्होंने तेजी से रन बनाते हुए 160 रन की पारी खेली, जो इस सीजन टूर्नामेंट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है।आर्यवीर ने बताया कि मैच से एक रात पहले भी उनकी अपने पिता से बात हुई थी और उन्होंने टूर्नामेंट में बड़ा स्कोर बनाने का वादा किया था। उन्होंने कहा, 'योजना सिर्फ 45 ओवर तक बल्लेबाजी करने की थी। कोच ने भी मुझसे कहा था कि जितनी देर हो सके क्रीज पर टिके रहना। शुरुआत में जब मैंने डॉट गेंदें खेलीं, तो मुझे कोई परेशानी नहीं हुई, क्योंकि मुझे भरोसा था कि बाद में इसकी भरपाई कर लूंगा। खुशी है कि मैं बड़ा स्कोर बना सका और भारत को जीत दिलाने में मदद की।'

पिता से तारीफ मिलना बड़ी बात

आर्यवीर ने यह भी बताया कि उनके पिता आमतौर पर उनकी बल्लेबाजी की ज्यादा तारीफ नहीं करते। ऐसे में अच्छी पारी के बाद उनका 'वेल प्लेड' संदेश भी उनके लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा, 'जब भी अच्छी पारी के बाद उनका मैसेज आता है और वह 'वेल प्लेड' कहते हैं, तो मेरे लिए इससे बढ़कर कुछ नहीं होता। यह मेरे लिए बड़ा पल है। मुझे हमेशा अच्छा लगता है जब मेरे पिता मेरी बल्लेबाजी की तारीफ करते हैं, क्योंकि वह ऐसा बहुत कम करते हैं। मैं शतक बनाऊं या नहीं, वह ज्यादा तारीफ नहीं करते।' आर्यवीर ने उम्मीद जताई कि उनकी मां भी इस पारी से खुश होंगी। उन्होंने कहा कि उनकी मां अपनी भावनाएं खुलकर जाहिर करती हैं और उन्हें उम्मीद है कि उनके पिता भी उन पर गर्व महसूस कर रहे होंगे।

रायन बोले- न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच मजेदार होंगे

ऑकलैंड । भारत के फॉरवर्ड रायन विलियम्स न्यूजीलैंड में खेलने के अपने पिछले अनुभव का इस्तेमाल भारतीय पुरुषों के देश के पहले दौरे की तैयारी के लिए कर रहे हैं, क्योंकि नेशनल टीम गुरुवार को ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में दो इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों में से पहले मैच में ऑल व्हाइट्स का सामना करने के लिए तैयार है। यह दोनों टीमों के बीच तीसरा अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। इससे पहले 1981 और 2018 में दोनों टीमें आमने-सामने हुई हैं। यह दौरा भारतीय टीम के ज्यादातर सदस्यों के लिए नया है। विलियम्स ऑस्ट्रेलियाई क्लब पर्थ ग्लोरी के साथ अपने समय के दौरान न्यूजीलैंड में खेल चुके हैं। 33 साल के इस खिलाड़ी ने जनवरी 2023 में पामर्स्टन नॉर्थ में वेलिंगटन फीनिक्स के खिलाफ ग्लोरी के 2-2 से ड्रॉ मैच में हिस्सा लिया था, जिसे 'डिस्टेंस डर्बी' के नाम से जाना जाता है। तस्मान में यात्रा करने की जरूरतों का अनुभव होने के कारण, वह लंबी यात्रा और समय के अंतर से आने वाली चुनौतियों को जानते हैं।



आईपीएल में बड़ा बदलाव... हार्दिक पंजाब किंग्स में गए, अर्शदीप मुंबई इंडियंस से जुड़े

मेरे कप्तान श्रेयस! मैं आपके पीछे खड़ा हूं



पंजाब से जुड़ने के बाद हार्दिक पंड्या का पहला बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 के लिए पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के बाद हार्दिक पंड्या का पहला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि श्रेयस अय्यर उनके कप्तान हैं। रिकी पोंटिंग उनके कोच है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है कि वह अपने कोच और कप्तान के साथ खड़े हैं। हार्दिक इससे पहले मुंबई के कप्तान थे और अब पंजाब के साथ जुड़े हैं। उन्हें पंजाब की कप्तानी मिलने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वह श्रेयस की कप्तानी में खेलने के लिए तैयार हैं।

श्रेयस की कप्तानी में खेलने से हार्दिक को टीम इंडिया में भी उनके साथ खेलने में आसानी होगी, क्योंकि भारतीय टी20 टीम की कमान भी श्रेयस के हाथों में ही है। हार्दिक जब भी फिट होंगे, वह भारतीय टी20 टीम का हिस्सा होंगे, क्योंकि अब तक कोई भी खिलाड़ी खुद को उनकी जगह पर स्थापित नहीं कर पाया है।

पंजाब में बढ़ी हार्दिक की सैलरी

हार्दिक पंड्या भले ही मुंबई इंडियंस के कप्तान थे, लेकिन उनकी सैलरी 16.5 करोड़ रुपये ही थी। वहीं, पंजाब किंग्स में उन्हें 18 करोड़ रुपये मिलेंगे। ऐसे में उन्हें सीधे 1.5 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। हालांकि, वह पंजाब की टीम के कप्तान नहीं होंगे। श्रेयस के साथ खेलने से उनके लिए टीम इंडिया में वापसी की राह भी आसान होगी, क्योंकि कप्तान के साथ ही उनका बॉन्ड अच्छा बनेगा।

हार्दिक ने ये लिखा...

हार्दिक पंड्या ने पंजाब किंग्स की जर्सी में अपनी फोटो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, 'सत श्री अकाल, पंजाब। मेरे कैप्टन श्रेयस। मेरे कोच रिकी। मेरी टीम पूरा पंजाब। मैं आपके पीछे खड़ा हूं।' इसके साथ ही हार्दिक ने पंजाब के लिए हार्ट का इमोजी भी शेयर किया। इससे साफ है कि वह पंजाबी रंग में रंग चुके हैं और अगले सीजन में वह इस टीम को ट्रॉफी दिलाने की पूरी कोशिश करेंगे।

डंडे उड़ा देंगे! मुंबई के लिए अर्शदीप लाएंगे तबाही



आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस के ग्रैंड वेलकम ने मचाया गदर

पेस अटैक हुआ और खतरनाक

मुंबई इंडियंस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर अर्शदीप सिंह का एक पावरफुल वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, हम डंडे उड़ा देंगे! फ्रेंचाइजी ने साफ कर दिया है कि बाएं हाथ का यह खतरनाक भारतीय पेसर अब वानखेड़े स्टेडियम में बल्लेबाजों की गिल्लियां उखाड़ने के लिए तैयार है। आईपीएल अर्शदीप की एंट्री से मुंबई का पेस अटैक अब बहुत ही खतरनाक नजर आ रहा है।

पंड्या को मिला मुंबई का ट्रिब्यूट

दूसरी तरफ हार्दिक पंड्या की मुंबई इंडियंस से विदाई हो गई है। मुंबई ने हार्दिक के लिए एक इमोशनल वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि उतार-चढ़ाव और इस बीच की हर चीज के लिए, मुंबई इंडियंस की कहानी का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया हार्दिक। हार्दिक ने मुंबई के साथ 2015 में अपना सफर शुरू किया था और 2015, 2017, 2019 और 2020 के खिताब जीतने में अहम योगदान दिया था।

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी स्वैप डील पर अब आधिकारिक मुहर लग चुकी है। पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने स्टार भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अपनी पलटन में शामिल कर लिया है। 18 करोड़ रुपये की फीस पर मुंबई आए अर्शदीप का फ्रेंचाइजी ने बेहद ही अनोखे और धमाकेदार अंदाज में स्वागत किया है। मुंबई की टीम ने अर्शदीप को लेकर एक बेहद ही प्यारा और जोश से भरा हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। दूसरी ओर मुंबई के पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या अब 18 करोड़ रुपये में पंजाब किंग्स की जर्सी पहनते नजर आएंगे। मुंबई इंडियंस ने जहां अर्शदीप की एंट्री पर तूफानी वीडियो शेयर किया। वहीं हार्दिक पंड्या के लिए एक खास ट्रिब्यूट वीडियो के साथ उन्हें भावुक विदाई दी।